Think IAS

दृष्टि The Vision

Think Drishti

[प्रयागराज शाखा]

परिचय पुस्तिका

सामान्य अध्ययन का क्या महत्त्व है?

सीसैट को कैसे समझें? तैयारी कैसे करें?

मुख्य परीक्षा में निबंध का क्या महत्त्व है?

टेस्ट सीरीज़ क्यों महत्त्वपूर्ण है?

साक्षात्कार की तैयारी कैसे करें?

Tashkent Marg, Patrika Chauraha,
Civil Lines, Allahabad

☎ : 8448485518, 8130392359, 8750187501

✉ : allahabad@groupdrishti.com

🌐 : www.drishtiias.com

विषय सूची

‘दृष्टि’ अब प्रयागराज में

दृष्टि द विज़न : एक परिचय

दृष्टि ही क्यों?

(i) सामान्य अध्ययन के प्रति हमारा दृष्टिकोण
(ii) हमारा अध्यापक समूह
(iii) अध्यापन प्रणाली
(iv) सत्र की अवधि तथा क्रम
(v) पाठ्य-सामग्री
(vi) समसामयिक मुद्दों पर अद्यतन जानकारी
(vii) जाँच-परीक्षाएँ तथा उत्तर-लेखन अभ्यास

सामान्य अध्ययन

सामान्य अध्ययन: एक परिचय

प्रारंभिक परीक्षा

प्रारंभिक परीक्षा के लिये सामान्य अध्ययन

(i) प्रारंभिक परीक्षा क्या है?
(ii) प्रारंभिक परीक्षा की संरचना
(iii) ‘कट-ऑफ’ का स्तर
(iv) सामान्य अध्ययन (प्रारंभिक परीक्षा) का पाठ्यक्रम
(v) विभिन्न खंडों का तुलनात्मक महत्त्व
(vi) तैयारी की उचित रणनीति क्या होनी चाहिये?

सीसैट

(i) सीसैट क्या है?
(ii) सीसैट की भूमिका
(iii) सीसैट का पाठ्यक्रम
(iv) विभिन्न खंडों का आनुपातिक महत्त्व
(v) हमारा कक्षा कार्यक्रम
- हमारा दृष्टिकोण
- हमारा अध्यापक समूह
- सत्र की अवधि तथा क्रम
- जाँच परीक्षाएँ तथा समय-प्रबंधन अभ्यास
- व्यक्तिगत सहायता

मुख्य परीक्षा

(i) मुख्य परीक्षा क्या है?
(ii) मुख्य परीक्षा की संरचना व प्रणाली
(iii) सामान्य अध्ययन (मुख्य परीक्षा): पाठ्यक्रम
(iv) मुख्य परीक्षा में सामान्य अध्ययन के प्रश्नपत्रों का खंडवार एवं अंकवार वर्गीकरण
(v) मुख्य परीक्षा में सामान्य अध्ययन की भूमिका
(vi) हिंदी माध्यम से जुड़ी समस्याएँ

निबंध

1. निबंध: एक परिचय
2. हमारा मार्गदर्शन कार्यक्रम

साक्षात्कार

टेस्ट सीरीज़ कार्यक्रम

यू.पी.पी.सी.एस परीक्षा

1. प्रारंभिक परीक्षा पाठ्यक्रम
2. मुख्य परीक्षा पाठ्यक्रम
3. यू.पी.पी.सी.एस परीक्षा की रणनीति

सामान्यत: पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)

'दृष्टि' अब प्रयागराज में

'दृष्टि-द विज़न' : एक परिचय
('Drishti-the Vision' : An Introduction)

लगभग दो दशक पूर्व दिल्ली में स्थापित 'दृष्टि द विज़न', सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के प्रति एक समर्पित संस्थान है जिसका फोकस हिंदी माध्यम से सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे उम्मीदवारों पर रहा है। अपनी स्थापना से लेकर आज तक यह सिविल सेवा के अभ्यर्थियों के मध्य एक लोकप्रिय एवं उपयोगी संस्थान है। इस संस्थान से जुड़े हज़ारों अभ्यर्थियों ने केंद्रीय तथा राज्य स्तरीय सिविल सेवा परीक्षाओं में सफलता हासिल की है।

अभी तक दृष्टि संस्थान की केवल एक ही शाखा दिल्ली में स्थापित थी किंतु समय-समय पर हमें देश के कोने-कोने से विद्यार्थियों द्वारा उनके शहरों में शाखाएँ खोलने के निवेदन प्राप्त होते रहते थे। चूँकि दृष्टि मूलत: हिंदी माध्यम से तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के प्रति समर्पित संस्थान है, अत: हिंदी पट्टी के विद्यार्थियों की भारी मांग के कारण हमने प्रयागराज (इलाहाबाद) में भी अपनी शाखा स्थापित करने का निर्णय किया है। प्रयागराज से हिंदी माध्यम के अभ्यर्थियों का सिविल सेवा में सफलता का एक स्वर्णिम इतिहास रहा है, किंतु पिछले कुछ वर्षों से यहाँ से प्रतियोगियों की सिविल सेवा में सफलता की दर में भारी कमी आई है। इसके पीछे मुख्य कारण प्रतियोगियों में प्रतिभा की कमी का होना नहीं है बल्कि सिविल सेवा के बदलते पाठ्यक्रम के अनुसार उन्हें मिलने वाले उचित मार्गदर्शन का अभाव है और इसी कमी को दूर करने के लिये दृष्टि अब प्रयागराज में भी आपके समक्ष उपस्थित है।

दृष्टि ही क्यों?

सिविल सेवा परीक्षा अपने विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम की परिवर्तनशील प्रकृति के कारण देश की सबसे मुश्किल परीक्षाओं में से एक है। एक निश्चित समय (1½–2 वर्ष) में इस विस्तृत पाठ्यक्रम को तैयार कर सफलता सूची में अपना नाम अंकित करवाना प्रत्येक विद्यार्थी के समक्ष एक चुनौती होती है। स्तरीय अध्ययन सामग्री की कमी, अधिकतर परीक्षकों की अंग्रेज़ी भाषा में सहजता इत्यादि ऐसे कारक हैं जिसके कारण हिन्दी माध्यम के अभ्यर्थी 1000 अंकों के सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र में औसतन 80–100 अंकों का नुकसान झेलते हैं इस कारण उनके समक्ष सफलता प्राप्त करने की चुनौती और भी बड़ी हो जाती है। ऐसे में अभ्यर्थियों के समक्ष एक ही विकल्प उभर कर सामने आता है– कोचिंग संस्थान। लेकिन यहाँ समस्या ये आती है कि कौन-सी कोचिंग उनके लिये बेहतर रहेगी? क्योंकि कई बार गलत संस्थान में प्रवेश लेने के कारण अभ्यर्थियों को कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसलिये अभ्यर्थियों को कोचिंग संस्थान की सफलता दर, संस्थान के अध्यापक समूह, अध्ययन प्रणाली, सत्र की अवधि, पाठ्य-सामग्री इत्यादि महत्त्वपूर्ण आधारों पर किसी कोचिंग संस्थान का चुनाव करना चाहिये।

प्रतिवर्ष सिविल सेवा परीक्षा के परिणाम यह बताते हैं कि 'दृष्टि' संस्थान सामान्य अध्ययन के क्षेत्र में हिन्दी माध्यम अभ्यर्थियों के लिये एकमात्र विकल्प है। सिविल सेवा की तैयारी के दौरान हिन्दी माध्यम के अभ्यर्थियों के समक्ष आने वाली समस्याओं को ध्यान में रखकर हमने एक समग्र अकादमिक कार्यक्रम तैयार किया है जो कि दृष्टि को अन्य संस्थानों से अलग और बेहतर बनाता है। हमारे समग्र अकादमिक कार्यक्रम की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं–

सामान्य अध्ययन के प्रति हमारा दृष्टिकोण
(Our approach towards General Studies)

सामान्य अध्ययन के महत्त्व को समझते हुए 'दृष्टि' का नज़रिया यह है कि इसे पूरे विस्तार और गहराई के साथ पढ़ा जाना चाहिये। हम चयनात्मक अध्ययन (Selective Study) के पक्ष में नहीं हैं। आजकल प्रश्नपत्र की प्रकृति ऐसी है भी नहीं कि चयनात्मक अध्ययन करके सफल हुआ जा सके। यही कारण है कि हमारे कक्षा कार्यक्रम में सामान्य अध्ययन के पाठ्यक्रम में शामिल प्रत्येक टॉपिक की तैयारी कराई जाती है, कोई भी टॉपिक छोड़ा नहीं जाता। इसीलिये हमारा सामान्य अध्ययन (प्रारंभिक तथा मुख्य परीक्षा) का सत्र लगभग 18 महीनों तक चलता है जबकि अधिकांश अन्य संस्थाएँ उसे 8 से 10 महीने ही पढ़ाती हैं।

इसके अलावा, हमारा यह भी मानना है कि प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा के लिये सामान्य अध्ययन की तैयारी संयुक्त रूप से की जानी चाहिये, न कि अलग-अलग; क्योंकि एकाध खंड को छोड़ दें तो सभी टॉपिक दोनों परीक्षाओं में पूछे जाते हैं। अंतर सिर्फ यह है कि प्रारंभिक परीक्षा में अत्यंत नज़दीकी व जटिल विकल्पों के बीच सही विकल्प चुनना होता है जबकि मुख्य परीक्षा में उससे जुड़े पक्षों (प्रधानत: समसामयिक व व्यावहारिक पक्षों) पर अपने शब्दों में लिखना होता है। दूसरे शब्दों में कहें तो प्रारंभिक परीक्षा में उम्मीदवार की सूक्ष्म समझ और सटीक जानकारियों का परीक्षण होता है जबकि मुख्य परीक्षा में इनके साथ-साथ लेखन-कौशल का भी। बेहतर यही है कि उम्मीदवार जो भी टॉपिक पढ़े, उसे एक ही बार में इस तरह से पढ़ ले कि वह दोनों चुनौतियों का सामना करने में समर्थ हो जाए। हमारा मूल विश्वास यही है कि सामान्य अध्ययन की तैयारी संयुक्त रूप से की जानी चाहिये।

मैं 'दृष्टि करेंट अफेयर्स टुडे' का नियमित पाठक रहा हूँ। यह सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करने वालों के लिये एक समग्र एवं सर्वश्रेष्ठ पत्रिका है। आप निश्चिंत होकर अपनी तैयारी में इसे आधार बना सकते हैं।

–अनिरुद्ध कुमार (IAS 2017, 146वीं रैंक)

हमारा अध्यापक समूह (Our Faculty Members)

'दृष्टि' के पास सबसे बड़ी पूंजी श्रेष्ठ अध्यापकों की है। हमने अध्यापकों के चयन की प्रक्रिया बेहद कठिन रखी है जिसमें कई चरणों को पूरा करने के बाद तथा विद्यार्थियों के 'फीडबैक' के आधार पर ही अध्यापकों की नियुक्ति व स्थायित्व का निर्णय होता है। इस चयन प्रक्रिया के आधार पर हमारे यहाँ सामान्य अध्ययन के प्रत्येक खंड के लिये विशेषज्ञ अध्यापक नियुक्त किये गए हैं जो अपनी सूक्ष्म समझ, व्यापक जानकारियों तथा रोचक प्रस्तुतीकरण के लिये विद्यार्थियों में अत्यंत लोकप्रिय हैं। हमारे अध्यापक समूह का खंड-वार परिचय कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

कृपया ध्यान दें कि कभी-कभी (अत्यंत विरल परिस्थितियों में) ऐसी स्थिति बन सकती है कि विद्यार्थियों का 'फीडबैक' किसी अध्यापक के पक्ष में न हो। ऐसी स्थिति में दृष्टि प्रबंधन किसी भी अध्यापक को बदल सकता है। हमारी स्पष्ट नीति है कि विद्यार्थियों को सर्वश्रेष्ठ अध्यापक ही मिलने चाहियें।

अध्यापन प्रणाली (Teaching Methodology)

'दृष्टि' की एक विशेष अध्यापन-प्रणाली है जो इसे शेष संस्थाओं से अलग करती है। इस अध्यापन प्रणाली की कुछ विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-

- हमारे यहाँ किसी भी टॉपिक को बिना समझे याद करने या रटने की सलाह नहीं दी जाती बल्कि कोशिश की जाती है कि हर विद्यार्थी मूल धारणाओं (Basic Concepts) को समझे तथा आत्मसात् करे। टॉपिक को समझ लेने के बाद उसकी आधारभूत जानकारियों को स्मरण करना कठिन नहीं रहता है और विद्यार्थी घुमा-फिराकर पूछे जाने वाले प्रश्नों के उत्तर देने में भी सहजता महसूस करता है।
- हमारे अध्यापक कक्षा में विद्यार्थियों को सिर्फ लिखवाते रहने में विश्वास नहीं करते क्योंकि उसमें विद्यार्थियों का बहुत सारा समय अनुत्पादक तरीके से खर्च होता है। इसके स्थान पर हमारे अध्यापक खुद विस्तृत नोट्स तैयार करके विद्यार्थियों को देते हैं ताकि उन्हें अलग से कुछ विशेष न पढ़ना पड़े। कक्षा में वे बिंदु लिखवाए जाते हैं जो उस समय किसी कारण से चर्चा में हैं या विशिष्ट विश्लेषण की मांग करते हैं।
- कक्षा में हर टॉपिक पर विस्तृत व रोचक चर्चा होती है। हास्य-व्यंग्य, मनोरंजन और व्यावहारिक उदाहरणों का सहज प्रयोग करते हुए विद्यार्थियों को अवधारणाएँ समझाई जाती हैं।
- वीडियो, प्रोजेक्टर और इंटरनेट जैसी तकनीकी सुविधाओं के प्रयोग द्वारा कोशिश की जाती है कि अमूर्त विषयों को भी दृश्यों/चित्रों आदि के रूप में दिखाकर विद्यार्थियों के दिमाग में बैठा दिया जाए।
- विद्यार्थियों को यह अधिकार है कि वे अपनी जिज्ञासाओं के समाधान के लिये अध्यापकों से सवाल पूछ सकें। हमारे सभी अध्यापकों की कोशिश रहती है कि वे विद्यार्थियों की विषय से संबंधित सभी जिज्ञासाओं को संतुष्ट करें।
- अगर किसी विद्यार्थी को पढ़ाए गए विषय में किसी अवधारणा, घटना या तथ्य के संबंध में कोई संदेह होता है या समझने में समस्या आ रही है तो इस कार्य में संस्थान की अकादमिक सपोर्ट टीम विद्यार्थियों की मदद करती है।
- परीक्षा में पहले पूछे जा चुके तथा भविष्य में संभावित प्रश्नों को कक्षा की चर्चाओं में एक ज़रूरी संदर्भ की तरह शामिल किया जाता है ताकि विद्यार्थी सिर्फ धारणाओं को समझने तक सीमित न रहें बल्कि यह भी समझें कि उन्हें अपने अर्जित ज्ञान को परीक्षा में कैसे प्रयुक्त करना है? कठिन प्रश्नों के उत्तरों की रूपरेखा पर विशेष चर्चा होती है तथा उत्तरों के प्रारूप लिखवाए जाते हैं। साथ ही, विद्यार्थियों को स्वयं कठिन से कठिन प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिये प्रोत्साहित किया जाता है।
- अध्यापन-प्रणाली के अंतर्गत इस बात का भी ध्यान रखा जाता है कि कक्षा की चर्चाओं में अनावश्यक भटकाव न हो ताकि सत्र पूर्वनिर्धारित योजना के अनुसार पूरा किया जा सके।

सत्र की अवधि तथा क्रम (Duration and Order of Batches)

- दृष्टि का सामान्य अध्ययन का 'फाउंडेशन-सत्र' (प्रारंभिक व मुख्य परीक्षा का संयुक्त सत्र) लगभग 415 कक्षाओं का होता है। प्रत्येक कक्षा 2.5 से 3 घंटे की अवधि की होती है। पूरा सत्र लगभग 18 माह तक चलता है।

सामान्य अध्ययन (प्रारंभिक व मुख्य परीक्षा सत्र) में विभिन्न खंडों की कक्षाओं की संख्या	
इतिहास + कला एवं संस्कृति	85 कक्षाएँ
भारतीय अर्थव्यवस्था	60 कक्षाएँ
भूगोल तथा पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी	80 कक्षाएँ
आपदा प्रबंधन	10 कक्षाएँ
भारतीय समाज एवं सामाजिक न्याय	35 कक्षाएँ
अंतर्राष्ट्रीय संबंध	35 कक्षाएँ
सामान्य विज्ञान तथा विज्ञान एवं तकनीकी	50 कक्षाएँ
आंतरिक सुरक्षा	10 कक्षाएँ
गवर्नेंस से संबंधित मुद्दे	10 कक्षाएँ
भारतीय राजव्यवस्था	50 कक्षाएँ
कुल कक्षाएँ (लगभग)	**425 कक्षाएँ**

नोट: उपर्युक्त कक्षाओं के अतिरिक्त करेंट अफेयर्स की लगभग 30 कक्षाएँ भी अन्य कक्षाओं के समानान्तर चलेंगी। साथ ही नैतिकता, सत्यनिष्ठा और अभिरुचि (एथिक्स) की लगभग 70–75 ऑडियो-वीडियो कक्षाएँ (डॉ. विकास दिव्यकीर्ति सर की) भी अन्य कक्षाओं के समानांतर चलेंगी। एथिक्स से संबंधित शंकाओं का समाधान हमारी एकेडमिक सपोर्ट टीम तो करेगी ही; साथ ही, कभी-कभी विकास सर स्वयं भी करेंगे। इन कक्षाओं में उत्तर प्रदेश स्पेशल की कक्षाएँ भी आयोजित की जाएँगी।

मैं 'दृष्टि करेंट अफेयर्स टुडे' का नियमित पाठक रहा हूँ। उम्मीदवारों को मेरा सुझाव यह है कि पिछले कुछ महीनों की मैगज़ीन एक साथ रखकर सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक विषयों को अलग-अलग पढ़ते हुए नोट्स अपडेट करने चाहियें। इसी प्रकार, संभावित प्रश्न-उत्तर और टू द पॉइंट जैसे खंडों को अलग से भी संगृहीत करेंगे तो मुख्य परीक्षा में विशेष मदद मिलेगी। –*अरविन्द प्रताप सिंह (IAS 2017, 161वीं रैंक)*

- चूँकि फाउंडेशन सत्र लगभग डेढ़ वर्ष की अवधि तक चलता है, इसलिये इसके कार्यक्रम में उन परीक्षाओं का विशेष ध्यान रखा जाता है जो इसकी अवधि के दौरान आयोजित होने वाली हैं। उदाहरण के लिये, इसमें प्रारंभिक परीक्षा के समय लगभग 1 माह का अवकाश दिया जाता है ताकि परीक्षा देने वाले विद्यार्थी निजी स्तर पर नोट्स या पुस्तकों को दोहरा सकें। इसके अलावा, प्रारंभिक परीक्षा से पहले कक्षा में वे खंड ज़रूर पूरे करा दिये जाते हैं जिनसे इस परीक्षा में प्रश्न पूछे जाते हैं। ऐसे खंडों में इतिहास, भूगोल, अर्थव्यवस्था, राजव्यवस्था तथा सामान्य विज्ञान प्रमुख हैं। प्रारंभिक परीक्षा के बाद के लिये सिर्फ वही खंड छोड़े जाते हैं जिनका संबंध मुख्य परीक्षा से है, जैसे अंतर्राष्ट्रीय संबंध, एथिक्स पेपर इत्यादि।
- सभी सत्रों में विभिन्न खंडों का क्रम इस तरह निर्धारित किया जाता है कि नए विद्यार्थी को समस्या न हो और वह क्रमिक रूप से सरल से कठिन खंडों की ओर बढ़े। आरंभ में इतिहास, राजव्यवस्था जैसे खंड पढ़ाए जाते हैं और अर्थव्यवस्था व भूगोल कुछ बाद में। अंतर्राष्ट्रीय संबंधों से पहले विश्व-इतिहास व विश्व के भूगोल की संक्षिप्त पृष्ठभूमि ज़रूर दी जाती है ताकि विद्यार्थी विभिन्न जानकारियों में तालमेल बैठा सके। कोशिश की जाती है कि एक समय में एक या दो खंड ही पढ़ाए जाएँ ताकि विद्यार्थियों को मानसिक स्तर पर उलझन या भटकाव का सामना न करना पड़े।
- आमतौर पर, प्रत्येक सप्ताह के दौरान 6 दिन कक्षाओं का आयोजन होता है। प्रत्येक रविवार को अवकाश दिया जाता है, हालाँकि यह अनिवार्य नहीं है। अगर किसी बैच में पाठ्यक्रम निर्धारित योजना से पीछे रह जाता है तो उस गति को बनाए रखने के लिये रविवार को विशिष्ट कक्षाओं का आयोजन किया जा सकता है। ध्यान दें कि अवकाश देना हमारी प्राथमिकता नहीं है। प्राथमिकता यह है कि पाठ्यक्रम ठीक तरीके से और निर्धारित अवधि के भीतर पूरा होना चाहिये।
- कोशिश की जाती है कि प्रत्येक सत्र में हर सप्ताह जाँच-परीक्षा का आयोजन किया जाए। इसका लाभ यह होता है कि विद्यार्थियों को अपनी तैयारी के स्तर का निरंतर अनुमान होता रहता है।

पाठ्य-सामग्री (Study Material)

'दृष्टि' के सामान्य अध्ययन कार्यक्रम का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा 'पाठ्य-सामग्री' (Study material) से संबंधित है। हमारी अध्यापन-प्रविधि इस विचार पर टिकी है कि विद्यार्थियों को अपनी ओर से कम से कम मेहनत करनी पड़े। इसलिये हमारी कोशिश रहती है कि किसी विषय में विद्यार्थियों को जितना अध्ययन करने की ज़रूरत हो, उतनी पाठ्य-सामग्री हम स्वयं तैयार करके उन्हें देते रहें। इससे उन्हें पुस्तकों व अन्य स्रोतों पर निर्भर नहीं रहना पड़ता।

विद्यार्थियों को दिये जाने वाले नोट्स अत्यंत वैज्ञानिक तरीके से तैयार करवाए जाते हैं। विद्यार्थी आसानी से कठिन संकल्पनाओं को समझ कर उन्हें आत्मसात कर सकें इसके लिये नोट्स में माइंड मैप, बुलेट्स, फ्लोचार्ट, स्मरणीय तथ्य इत्यादि का भी प्रयोग किया जाता है। इन नोट्स के साथ विद्यार्थियों को प्रतिमाह 'दृष्टि करंट अफेयर्स टुडे' की मैगजीन तथा पूरे सत्र के दौरान दृष्टि पब्लिकेशन्स की 18 पुस्तकें नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं।

गौरतलब है कि पाठ्य-सामग्री-निर्माण से संबंधित हमारे लेखक व संपादक समूह में लगभग 300 पूर्णकालिक सदस्य हैं। इन सभी को सिविल सेवा परीक्षा का व्यक्तिगत तथा लंबा अनुभव प्राप्त है। ये सदस्य नई पाठ्य-सामग्री के निर्माण के साथ-साथ इस बात का भी ध्यान रखते हैं कि पहले से मौजूद सामग्री को समय के साथ 'अपडेट' करते रहें।

समसामयिक मुद्दों पर अद्यतन जानकारी
(Updates on Current Issues)

सामान्य अध्ययन में समसामयिक घटनाओं को अपडेट करते रहना अनिवार्य है। यही वह क्षेत्र है जहाँ हिंदी माध्यम के उम्मीदवार अंग्रेज़ी की तुलना में पिछड़ जाते हैं। दृष्टि ने इस समस्या को चुनौती की तरह लिया है। इस चुनौती का सामना हम निम्नलिखित 5 स्तरों पर करते हैं-

- हम अपने विद्यार्थियों के लिये 'दृष्टि करंट अफेयर्स टुडे' नाम से एक मासिक पत्रिका प्रकाशित करते हैं। सिविल सेवा एवं विभिन्न राज्यों की पी.सी.एस. परीक्षा (प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा तथा साक्षात्कार) के लिये यह एक संपूर्ण पत्रिका है।
- हिंदी के विभिन्न अखबारों और पत्रिकाओं में कई अच्छे लेख छपते हैं जिन्हें पढ़ने से व्यापक और स्वस्थ दृष्टिकोण का निर्माण होता है। विद्यार्थियों के पास इतना समय नहीं होता कि वे सभी अखबार देख सकें और चुन सकें कि कौन से लेख उन्हें पढ़ने चाहियें और कौन से नहीं? हम प्रत्येक पंद्रह दिन पर (महीने में 2 बार) विभिन्न हिंदी अखबारों और पत्रिकाओं के स्तरीय लेखों का संकलन करते हैं और सभी विद्यार्थियों को उपलब्ध कराते हैं। लेखों के साथ यह सूचना भी अंकित होती है कि इनसे किस-किस तरह के प्रश्न पूछे जा सकते हैं? सीधी भाषा में कहें तो हम अपने विद्यार्थियों से यह अपेक्षा भी नहीं रखते कि वे नियमित तौर पर अख़बार पढ़ें। यह कार्य भी उनके लिये हमारे अकादमिक समूह के सदस्य करते हैं और उन्हें अखबारों का 'सार' उपलब्ध करा देते हैं।
- हिंदी माध्यम के विद्यार्थी आमतौर पर अंग्रेज़ी के प्रतिष्ठित अखबारों (जैसे 'द हिन्दू', 'इकोनॉमिक टाइम्स', 'इंडियन एक्सप्रेस', 'टाइम्स ऑफ इंडिया' आदि) और पत्रिकाओं (जैसे 'फ्रंटलाइन', 'इकोनॉमिक एण्ड पॉलिटिकल वीकली', 'वर्ल्ड फोकस' इत्यादि) में प्रकाशित होने वाले अच्छे लेखों से वंचित रह जाते हैं जिसका नुकसान सामान्य अध्ययन के अंकों में साफ झलकता है। इस अंतराल को भरने के लिये हम सभी मत्त्वपूर्ण अंग्रेज़ी अखबारों और पत्रिकाओं के अच्छे लेखों का सहज हिंदी में अनुवाद कराते हैं और महीने में लगभग 25–30 महत्त्वपूर्ण लेख अपने विद्यार्थियों को उपलब्ध कराते हैं।
- सामान्य अध्ययन में अच्छे अंक लाने के लिये आवश्यक है कि आप किताबों और नोट्स के अलावा प्रतिदिन की घटनाओं से जुड़ने के लिये इंटरनेट पर उपलब्ध अच्छे लेखों को पढ़ते रहें और अच्छी

मैंने वैकल्पिक विषय हिंदी साहित्य तथा साक्षात्कार के लिये 'दृष्टि संस्थान' से मार्गदर्शन लिया। यह विकास सर के मार्गदर्शन का ही परिणाम है कि अंग्रेज़ी पृष्ठभूमि होने के बाद भी मुझे हिंदी साहित्य की तैयारी में कोई दिक्कत नहीं हुई। इसी कारण हिंदी साहित्य के साथ मुझे पहली ही मुख्य परीक्षा में सफलता मिली।

–सोनल (IAS 2017, 451वीं रैंक)

डिबेट्स को सुनते रहें। इंटरनेट पर उपलब्ध अधिकांश लेख और डिबेट्स अंग्रेज़ी में होने के कारण हिन्दी माध्यम के अभ्यर्थी इसका समुचित फायदा नहीं उठा पाते हैं। इन समस्याओं को सुलझाने के लिये दृष्टि संस्थान की वेबसाइट www.drishtiias.com आपके लिये काफी उपयोगी साबित होगी। इसमें PIB/PRS और अंग्रेज़ी भाषा के प्रमुख समाचार पत्रों जैसे 'द हिन्दू', 'इंडियन एक्सप्रेस' इत्यादि में प्रतिदिन प्रकाशित खबरों और आर्टिकल का नियमित रूप से हिन्दी में बिन्दुवार तरीके से विश्लेषण प्रस्तुत किया जाता है। लोकसभा और राज्यसभा टीवी की हिन्दी और अंग्रेज़ी की डिबेट्स और डिस्कशंस को सरल और सहज रूप से बिन्दुवार तरीके से विश्लेषित किया जाता है। इस वेबसाइट पर सामान्य अध्ययन के सभी खंडों के लिये अपडेटिड अध्ययन सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहती है जो आपकी तैयारी को अपडेट रखेगी।

- ऑडियो और वीडियो के माध्यम से आपकी तैयारी को पूर्णता देने के उद्देश्य से हमने Drishti IAS–You tube चैनल भी प्रारंभ किया है। इसमें ऑडियो आर्टिकल, टू द पॉइंट, कॉन्सेप्ट टॉक, स्ट्रैटजी, टॉपर्स व्यू इत्यादि कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

इन सब प्रयासों से हमारी पूरी कोशिश यही रहती है कि हिन्दी माध्यम के अभ्यर्थी को हिन्दी में गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री सहज और सरल भाषा में प्राप्त हो जिससे सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र में हिन्दी और अंग्रेज़ी माध्यम अभ्यर्थियों के अंकों का अंतराल समाप्त हो सके।

जाँच-परीक्षाएँ तथा उत्तर-लेखन अभ्यास
(Tests and Answer-writing Practice)

संस्था की कोशिश रहती है कि प्रत्येक सत्र में साप्ताहिक तौर पर 1 या 2 जाँच-परीक्षाएँ आयोजित होती रहें ताकि विद्यार्थियों को अपनी प्रगति का स्तर समझने और सुधारने के पर्याप्त अवसर मिल सकें।

प्रारंभिक परीक्षा के लिये एक तरह से रोज़ ही जाँच परीक्षा होती है क्योंकि प्रत्येक अध्याय के नोट्स के साथ विद्यार्थियों को अभ्यास के लिये 20–30 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये जाते हैं। इसके अलावा, साप्ताहिक/पाक्षिक तौर पर आयोजित की जाने वाली जाँच-परीक्षाओं में ओ.एम.आर. शीट का प्रयोग किया जाता है ताकि विद्यार्थियों का वास्तविक परीक्षा का पूर्वाभ्यास भी होता रहे।

मुख्य परीक्षा के लिये लेखन-शैली का विकास करने की चुनौती प्रमुख होती है। इसके लिये हमारे पास दो रणनीतियाँ हैं-

(i) मुख्य परीक्षा के अभ्यास के लिये प्रत्येक महीने में दो या तीन जाँच परीक्षाएँ आयोजित की जाती हैं।

(ii) कोई भी विद्यार्थी अपने स्तर पर उत्तर-लेखन का अभ्यास कर सकता है जिसके मूल्यांकन की व्यवस्था संस्था करती है। हमारी अकादमिक टीम में 50 ऐसे पूर्णकालिक सदस्य हैं जिनका दायित्व विद्यार्थियों के उत्तरों का मूल्यांकन करना और उन्हें उपयुक्त सुझाव देना है।

सामान्य अध्ययन

सामान्य अध्ययनः एक परिचय
(General Studies: An Introduction)

सामान्य अध्ययन, जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है, किसी खास विषय का गहरा अध्ययन न होकर विभिन्न विषयों का ऐसा अध्ययन है जिसके लिये किसी अनुसंधान या विशेषज्ञता की ज़रूरत नहीं है। संघ लोक सेवा आयोग ने सिविल सेवा परीक्षा से संबंधित अपनी अधिसूचना में सामान्य अध्ययन का अर्थ स्पष्ट करते हुए लिखा है-

"सामान्य अध्ययन में ऐसे प्रश्न पूछे जाएंगे जिनके उत्तर एक सुशिक्षित व्यक्ति बिना किसी विशेषज्ञतापूर्ण अध्ययन के दे सकता है। ये प्रश्न बहुत से ऐसे विषयों में उम्मीदवार की जानकारी या जागरूकता का स्तर जाँचने के लिये पूछे जाएंगे जिनकी प्रासंगिकता सिविल सेवाओं में कार्य करने के दौरान होती है। प्रश्नों के माध्यम से सभी प्रासंगिक मुद्दों पर उम्मीदवार की मूल समझ परखने के साथ-साथ इस बात की भी जाँच की जाएगी कि उसके पास परस्पर विरोधी सामाजिक-आर्थिक लक्ष्यों तथा मांगों के विश्लेषण की कितनी योग्यता है?"

सच कहा जाए तो संघ लोक सेवा आयोग द्वारा की गई यह घोषणा सिर्फ औपचारिक महत्त्व की है। वास्तविकता यह है कि सामान्य अध्ययन के प्रश्नपत्र में कई बार प्रश्न इतने कठिन और गहरे स्तर के होते हैं कि उस विषय के विशेषज्ञ भी उनका उत्तर नहीं दे पाते।

पाठ्यक्रम की चुनौती (Challenge of Syllabus)

सामान्य अध्ययन का पाठ्यक्रम इतना विस्तृत और समावेशी है कि उसे गंभीरता के साथ कम से कम एक साल का समय देना ज़रूरी है। हिंदी माध्यम के विद्यार्थियों के लिये तो सामान्य अध्ययन दोहरी चुनौती पेश करता है। एक तरफ अंग्रेज़ी की तुलना में हिंदी में मौजूद पाठ्य-सामग्री कमज़ोर होती है तो दूसरी तरफ कुछ परीक्षकों का हिंदी भाषा में सहज न होना भी उन्हें नुकसान पहुँचा सकता है। इसलिये हिंदी माध्यम के विद्यार्थियों को अपनी तैयारी में अतिरिक्त सावधानी बरतने की ज़रूरत पड़ती है।

अगर आप सचमुच आई.ए.एस. या सिविल सेवक बनना चाहते हैं तो सामान्य अध्ययन को पूरे विस्तार और गहराई से पढ़े बिना आपका अपनी मंज़िल तक पहुँचना आसान नहीं है।

प्रारंभिक परीक्षा

प्रारंभिक परीक्षा क्या है?
(What is Preliminary Examination?)

सिविल सेवा परीक्षा 3 चरणों में संपन्न होती है जिसका पहला चरण 'प्रारंभिक परीक्षा' कहलाता है। इस पहले चरण की प्रकृति वस्तुनिष्ठ प्रकार की होती है।

मैं अपनी सफलता के लिये डॉ. विकास दिव्यकीर्ति सर का तहेदिल से शुक्रगुज़ार हूँ। उनके व्यक्तिगत मार्गदर्शन के कारण मैं निबंध, एथिक्स तथा इंटरव्यू में बेहतर प्रदर्शन कर पाया। मैं 'दृष्टि संस्थान' के क्लास तथा प्रिंटेड नोट्स तथा 'दृष्टि करंट अफेयर्स टुडे' पत्रिका का पाठक रहा हूँ और इन्होंने मेरे ज्ञान और समझ को बढ़ाने में बहुत मदद की।

-विकास मीणा (IAS 2017, 568वीं रैंक)

इसके लिये प्रतिवर्ष लगभग 9 से 10 लाख उम्मीदवार आवेदन करते हैं, उनमें से लगभग 4 से 5 लाख परीक्षा में बैठते हैं तथा लगभग 12–13 हज़ार सफल होते हैं। इस परीक्षा में कितने उम्मीदवार सफल होंगे, यह इस आधार पर तय होता है कि उस वर्ष कुल कितनी रिक्तियाँ (Vacancies) भरी जानी हैं। आमतौर पर रिक्तियों की कुल संख्या के 12–13 गुना उम्मीदवारों को सफल घोषित किया जाता है। आजकल हर वर्ष लगभग 800–1000 के आस-पास रिक्तियाँ घोषित की जाती हैं, इसलिये लगभग 12–13 हज़ार उम्मीदवारों को प्रारंभिक परीक्षा में सफलता प्राप्त होती है। सफल होने वाले इन उम्मीदवारों को परीक्षा के दूसरे चरण अर्थात् मुख्य परीक्षा के लिये आमंत्रित किया जाता है।

प्रारंभिक परीक्षा की संरचना
(Structure of Preliminary Examination)

प्रारंभिक परीक्षा में दो प्रश्नपत्र होते हैं। पहला प्रश्नपत्र 'सामान्य अध्ययन' का है जबकि दूसरे को 'सिविल सेवा अभिवृत्ति परीक्षा' (Civil Services Aptitude Test) या 'सीसैट' कहे जाने का प्रचलन है और यह क्वालीफाइंग पेपर के रूप में है। दोनों प्रश्नपत्र 200–200 अंकों के होते हैं, अत: परीक्षा कुल 400 अंकों की होती है। पहले प्रश्नपत्र (सामान्य अध्ययन) में 2–2 अंकों के 100 प्रश्न होते हैं जबकि दूसरे प्रश्नपत्र (सीसैट) में 2.5–2.5 अंकों के 80 प्रश्न। दोनों प्रश्नपत्रों में प्रत्येक प्रश्न के साथ 4–4 विकल्प दिये जाते हैं जिनमें से उम्मीदवार को सही उत्तर का चयन करना होता है। दोनों प्रश्नपत्रों में 'नकारात्मक अंकन' (Negative Marking) की व्यवस्था लागू है जिसके तहत 3 उत्तर गलत होने पर 1 सही उत्तर के बराबर अंक काट लिये जाते हैं। इस नियम के अंतर्गत सामान्य अध्ययन में एक सही उत्तर के लिये 2 अंक दिये जाते हैं जबकि एक गलत उत्तर के लिये 0.67 अंक काट लिये जाते हैं। इसी तरह, सीसैट में एक सही उत्तर के लिये 2.5 अंक दिये जाते हैं जबकि एक गलत उत्तर पर 0.83 अंक का नुकसान होता है।

चूँकि सीसैट पेपर क्वालीफाइंग पेपर के रूप में है इसलिये प्रारंभिक परीक्षा पास करने के लिये किसी भी उम्मीदवार को सीसैट पेपर में सिर्फ 33 प्रतिशत अंक (लगभग 27 प्रश्न या 66 अंक) प्राप्त करने आवश्यक होते हैं। अगर वह इससे कम अंक प्राप्त करता है तो उसे फेल माना जाता है। कट-ऑफ का निर्धारण सिर्फ प्रथम प्रश्नपत्र यानी सामान्य अध्ययन के आधार पर किया जाता है।

'कट-ऑफ' का स्तर (Cut-off Level)

जितने अंकों के साथ अंतिम उम्मीदवार सफल होता है, उस स्तर को 'कट-ऑफ' कहा जाता है। मान लीजिये कि कुल 12,000 उम्मीदवारों का चयन किया जाना है। इसके लिये सभी उम्मीदवारों के कुल प्राप्तांकों की सूची बनाई जाएगी तथा ऊपर से 12,000 उम्मीदवारों को चुन लिया जाएगा। इन चुने गए उम्मीदवारों में से अंतिम के जितने प्राप्तांक होंगे, उसी को 'कट-ऑफ' कहा जाएगा।

सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों की तुलना में आरक्षित वर्गों तथा विकलांग वर्ग के उम्मीदवारों के लिये कट-ऑफ कुछ कम होता है। वर्ष 2012 से 2017 की प्रारंभिक परीक्षाओं में विभिन्न वर्गों के लिये 'कट-ऑफ' इस प्रकार रहा–

वर्ग (Category)	2012	2013	2014	2015	2016	2017
सामान्य वर्ग (General/Others)	209	241	205	107.34	116.00	105.34
अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)	190	222	204	106.00	110.66	102.66
अनुसूचित जाति (SC)	185	207	182	94.00	99.34	88.66
अनुसूचित जनजाति (ST)	181	201	174	91.34	96.00	88.66
विकलांग वर्ग-1 (PH-1)	160	199	167	90.66	75.34	85.34
विकलांग वर्ग-2 (PH-2)	164	184	113	76.66	72.66	61.34
विकलांग वर्ग-3 (PH-3)	111	163	115	40.00	40.00	40.00

इस तालिका से स्पष्ट है कि 'कट-ऑफ' हमेशा स्थिर नहीं रहता है। उम्मीदवारों की संख्या, उनकी योग्यता तथा प्रश्नपत्रों के कठिनाई स्तर के बदलने के साथ-साथ यह हर वर्ष कुछ ज़्यादा या कम होता रहता है। ध्यान रहे कि 2014 तक दोनों प्रश्नपत्रों के संयुक्त अंकों के आधार पर परीक्षा परिणाम निकाला जाता रहा था। अब, चूँकि 2015 से कट-ऑफ का निर्धारण सिर्फ सामान्य अध्ययन के आधार पर किया जाने लगा है, इसलिये कट-ऑफ स्तर में आमूलचूल परिवर्तन आया है।

ध्यान रहे कि अंकों की ये गणनाएँ नकारात्मक अंकन से हुए नुकसान को घटाने के बाद की अर्थात् शुद्ध प्राप्तांकों की हैं। इसका अर्थ है कि प्रत्येक 3 गलत उत्तरों के बदले 1 सही उत्तर कम करके अपने प्राप्तांकों की गणना करनी चाहिये।

सामान्य अध्ययन (प्रारंभिक परीक्षा) का पाठ्यक्रम
[(Syllabus of General Studies (Preliminary Test)]

प्रारंभिक परीक्षा के प्रश्नपत्र 1 का संबंध सामान्य अध्ययन से है। इसका पाठ्यक्रम निम्नलिखित है–

1. राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की सामयिक घटनाएँ (Current events of national and international importance)।
2. भारत का इतिहास और भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन (History of India and Indian National Movement)।
3. भारत एवं विश्व का भूगोल : भारत एवं विश्व का प्राकृतिक, सामाजिक, आर्थिक भूगोल (Indian and World Geography - Physical, Social, Economic Geography of India and the World)।

मैंने दृष्टि कोचिंग संस्थान से हिंदी साहित्य, निबंध, सामान्य अध्ययन में नियमित मार्गदर्शन लिया तथा मेरी सफलता में दृष्टि संस्थान की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। मैं 'दृष्टि करेंट अफेयर्स टुडे' का नियमित पाठक रहा हूँ। उम्मीदवारों को मेरी सलाह कि इस पत्रिका में उनको अवश्य लाभ होगा क्योंकि इसमें योजना, कुरुक्षेत्र, हिंदू पेपर, निबंध आदि को भी बेहतर तरीके से कवर किया जाता है। इसकी पर्यावरण खंड, संस्कृतिक खंड, अंतर्राष्ट्रीय संबंध संबंधी सामग्री काफी बेहतर है।
–बिक्रम गंगवार (IAS 2017, 694वीं रैंक)

मैं 'दृष्टि करेंट अफेयर्स टुडे' का नियमित पाठक रहा हूँ। हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों के लिये यह पत्रिका बहुत उपयोगी साबित हो रही है। इस पत्रिका का आलेख खंड बेहद सराहनीय है। निबंध के लिये उद्धरण मैंने इसी पत्रिका से तैयार किये थे। ***–गंगा सिंह (IAS 2016, 33वीं रैंक)***

4. भारतीय राज्यतंत्र और शासन- संविधान, राजनीतिक प्रणाली, पंचायती राज, लोकनीति, अधिकारों संबंधी मुद्दे इत्यादि (Indian Polity and Governance - Constitution, Political System, Panchayati Raj, Public Policy, Rights Issues etc)।
5. आर्थिक और सामाजिक विकास- सतत् विकास, गरीबी, समावेशन, जनसांख्यिकी, सामाजिक क्षेत्र में की गई पहल आदि (Economic and Social Development, Sustainable Development-Poverty, Inclusion, Demographics, Social Sector initiatives etc)।
6. पर्यावरणीय पारिस्थितिकी, जैव-विविधता और जलवायु परिवर्तन संबंधी सामान्य मुद्दे, जिनके लिये विषयगत विशेषज्ञता आवश्यक नहीं है (General issues on Environmental Ecology, Bio-diversity and Climate Change - that do not require subject specialization)।
7. सामान्य विज्ञान (General Science)।

प्रारंभिक परीक्षा में सामान्य अध्ययन के विभिन्न खंडों का तुलनात्मक महत्त्व (Relative importance of General Studies different Segments in Preliminary Examination)

सामान्य अध्ययन के प्रश्न पाठ्यक्रम में शामिल विभिन्न खंडों/विषयों से किस अनुपात में पूछे जाएंगे, यह निश्चित नहीं है। आमतौर पर इतिहास, राजव्यवस्था, पारिस्थितिकी व पर्यावरण, अर्थव्यवस्था और भूगोल से ज़्यादा प्रश्न पूछे जाते हैं, लेकिन 2016 में इसमें आमूलचूल परिवर्तन देखा गया। परिवर्तन की यह प्रवृत्ति 2018 में भी विद्यमान रही। इस तरह, प्रश्नों के अनुपात की प्रवृत्ति बिल्कुल ही अनिश्चित है। नीचे दी गई तालिका में आप देख सकते हैं कि 2012 से 2018 तक विभिन्न खंडों से पूछे जाने वाले प्रश्नों का अनुपात क्या रहा है-

विषय	2012	2013	2014	2015	2016	2017	2018
भारत का इतिहास और स्वाधीनता आंदोलन	20	16	19	16	16	13	22
भारतीय संविधान व राजव्यवस्था	21	17	10	13	6	22	13
भारत और विश्व का भूगोल	17	18	20	18	3	8	9
पारिस्थितिकी, पर्यावरण और जैव-विविधता	14	14	20	12	16	17	10
भारत की अर्थव्यवस्था, आर्थिक और सामाजिक विकास	14	18	11	16	15	29	22
सामान्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	10	16	12	9	7	3	14
राष्ट्रीय और वैश्विक महत्त्व की समकालीन घटनाएँ/विविध	04	01	08	16	37	8	10
कुल	100	100	100	100	100	100	100

तैयारी की उचित रणनीति क्या होनी चाहिये? (What should be the appropriate strategy for the preparation?)

तैयारी की रणनीति सभी के लिये एक जैसी नहीं हो सकती क्योंकि किसी की पृष्ठभूमि कुछ है तो किसी की कुछ और। उदाहरण के लिये, अगर किसी उम्मीदवार ने इतिहास, भूगोल और अर्थशास्त्र विषयों के साथ स्नातक स्तर की पढ़ाई की है किंतु उसे विज्ञान पढ़ने में समस्या होती है तो उसकी रणनीति इन्हीं तथ्यों के आलोक में बनेगी। इसके विपरीत, कुछ उम्मीदवार ऐसे भी होंगे जो इंजीनियर या डॉक्टर होने के कारण विज्ञान में अत्यंत सहज हैं किंतु उनका मन इतिहास की पुस्तक को देखने का भी नहीं होता। स्वाभाविक ही है कि इनकी रणनीति अलग तरीके से बनेगी।

मोटे तौर पर, रणनीति के संबंध में कुछ सुझाव ये हो सकते हैं-

- उम्मीदवार को सभी खंडों पर बराबर बल देने की बजाय कुछ चुने हुए खंडों पर अधिक बल देना चाहिये। उसे कम से कम इतने खंड चुन लेने चाहियें जिनसे सम्मिलित रूप से 80–85 प्रश्न आने की प्रवृत्ति दिखाई पड़ती हो ताकि वह गंभीर तैयारी से लगभग 65–70 प्रश्न ठीक कर सके। शेष एकाध खंड को छोड़ देना अच्छी बात तो नहीं है, लेकिन प्रारंभिक परीक्षा नज़दीक होने पर आपात् योजना के रूप में इसे ठीक माना जा सकता है।

  उदाहरण के लिये, अगर आप विज्ञान की पृष्ठभूमि से नहीं हैं तो बचे हुए समय में आप विज्ञान सीखने की बजाय बाकी खंडों पर महारत हासिल करने की कोशिश करें। यदि आप विज्ञान के 16–17 प्रश्नों को छोड़ भी देंगे तो शेष खंडों में पूरी ताकत झोंक कर शेष 83–84 प्रश्नों में से 60–70 का सही जवाब देने की कोशिश कर सकते हैं जो कि परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिये काफी हैं।

  यह बात पुनः दोहराना ज़रूरी है कि यह रणनीति समय की कमी होने पर ही अपनाई जानी चाहिये। अगर आपके पास तैयारी के लिये पर्याप्त समय है (1 वर्ष या अधिक) तो सभी खण्डों में गंभीर अध्ययन करना ही अच्छा होगा।

- अगर आप गौर से पुराने प्रश्न-पत्रों को देखें तो पाएंगे कि सभी खंडों के भीतर कुछ विशेष उप-खंडों से प्रायः ज़्यादा प्रश्न पूछे जाते हैं। बेहतर होगा कि आप उन पर अधिक समय दें।

  उदाहरण के लिये, इतिहास खंड के अंतर्गत दो क्षेत्रों से बहुत ज़्यादा प्रश्न पूछे जाने की प्रवृत्ति दिखती है- एक तो स्वतंत्रता आंदोलन से, और दूसरे कला व संस्कृति से। अगर आप इन दो खंडों को ठीक से पढ़ लें तो इतिहास के लगभग 85–90% प्रश्न मिल जाने चाहियें। कला संस्कृति के अंतर्गत प्राचीन भारत पर विशेष ध्यान देना चाहिये। मध्यकालीन भारत से तो प्रायः एकाध प्रश्न ही पूछा जाता है, अतः उसे छोड़ भी दें तो कोई विशेष खतरा नहीं है।

  इसी तरह, विज्ञान में जीव-विज्ञान से सबसे ज़्यादा प्रश्न पूछे जाते हैं जो विज्ञान के प्रश्नों में लगभग 50–60% तक रहते हैं। भौतिकी

मैं अपनी सफलता के लिये विकास दिव्यकीर्ति सर का आभारी हूँ। सामान्य अध्ययन के लिये मैंने दृष्टि टेस्ट सीरीज़ जॉइन की। मैं 'दृष्टि करेंट अफेयर्स टुडे' का नियमित पाठक रहा हूँ। इस पत्रिका के आलेख खंड, निबंध खंड, प्रेरणा खंड, इंटरव्यू खंड तथा करेंट अफेयर्स से जुड़े संभावित प्रश्न-उत्तर का मुझे लाभ मिला।

-हेमन्त सती (IAS 2016 में 88वीं रैंक)

से प्राय: 3–4 सवाल पूछे जाते हैं जबकि रसायन-विज्ञान से बमुश्किल 1–2 सवाल। आजकल अधिकांश प्रश्न विज्ञान की नई तकनीकों से पूछे जा रहे हैं जो सामान्यत: मुख्य परीक्षा में पूछे जाते रहे हैं। अत: इन खंडों पर भी ध्यान देने की ज़रूरत है।

भूगोल में देखें तो 2013 तक भारत के भूगोल से दो-तिहाई प्रश्न पूछे जाते थे जबकि विश्व के भूगोल से लगभग एक-तिहाई प्रश्न। 2014 के बाद से दोनों खंडों का मूल्य लगभग बराबर हो गया है। हालाँकि 2016 और 2018 में इस खंड से बहुत कम प्रश्न पूछे गए, लेकिन इस आधार पर इसे नज़रअंदाज़ करना बहुत बड़ी भूल होगी। बेहतर होगा कि दोनों खंडों को लगभग बराबर मात्रा में तैयार कर लिया जाए।

- ध्यान देने योग्य एक अन्य बात यह है कि उम्मीदवार को ज़्यादा मेहनत उन खंडों के लिये करनी चाहिये जो मुख्य परीक्षा के पाठ्यक्रम में भी शामिल हैं। इससे परीक्षा के आगामी तथा वास्तविक चरणों में सफलता की संभावना बढ़ जाती है। उदाहरण के लिये, इतिहास खंड को देखें तो आधुनिक भारत का इतिहास मुख्य परीक्षा के पाठ्यक्रम में भी शामिल है जबकि प्राचीन और मध्यकालीन भारत का इतिहास नहीं। अत: प्रारंभिक परीक्षा में आधुनिक भारत का इतिहास विस्तारपूर्वक पढ़ने पर मुख्य परीक्षा में भी बेहतर परिणाम की संभावना बढ़ जाती है।
- इस बात पर भी ध्यान दें कि सामान्य अध्ययन के पाठ्यक्रम के जो खंड सिर्फ मुख्य परीक्षा में पूछे जाते हैं, उन्हें प्रारंभिक परीक्षा के लिये शेष बचे दो-ढाई महीनों में न पढ़ा जाए। इन खंडों में अंतर्राष्ट्रीय संबंध, सामाजिक न्याय, आंतरिक सुरक्षा, विश्व इतिहास तथा एथिक्स आदि शामिल हैं।
- यह मानकर चलना चाहिये कि अभ्यर्थी चाहे जितनी भी तैयारी कर ले, हर खंड में कुछ न कुछ ऐसे प्रश्न ज़रूर होंगे जो उसकी जानकारी की परिधि से बाहर के होंगे। आप जिस भी खंड की तैयारी गंभीरता से करें, लक्ष्य यह रखिये कि उसके 70–80% प्रश्न आपसे हो जाएँ। अगर आप 100% प्रश्नों के फेर में पड़ेंगे तो एक ही खंड की तैयारी में अनुत्पादक तरीके से बहुत समय नष्ट कर देंगे।
- सामान्य अध्ययन की तैयारी में यह ध्यान रखना भी ज़रूरी है कि इसमें सभी खंडों के प्रश्न काफी गहरे स्तर के होते हैं और वे विषय की सूक्ष्म समझ की मांग करते हैं। आमतौर पर हर प्रश्न में कुछ तथ्य या कथन देकर उनके संयोजन से जटिल विकल्प बनाए जाते हैं ताकि स्थूल समझ वाले उम्मीदवार सफल न हो सकें। उदाहरण के लिये, अधिकांश प्रश्नों में आरंभ में 3–4 कथन या तथ्य दिये जाते हैं जिनमें से कुछ सही होते हैं और कुछ गलत। प्राय: ऐसा होता है कि उम्मीदवार उनमें से कुछ तथ्यों से परिचित होता है और कुछ से नहीं। उसके बाद, उन तथ्यों को आपस में जोड़कर उम्मीदवार को 4 जटिल विकल्प दिये जाते हैं, जैसे (i) कथन 1, 3 तथा 4 ठीक हैं और कथन 2 गलत, (ii) कथन 1, 2 तथा 4 ठीक हैं और कथन 3 गलत। उम्मीदवार को ऐसे जटिल विकल्पों में से एक सही विकल्प चुनना होता है। इसमें प्रश्न के गलत होने का खतरा तो होता ही है, साथ ही कठिन विकल्पों के कारण प्रश्नों को हल करने में ज़्यादा समय भी लगता है और अंत में समय-प्रबंधन खुद एक चुनौती बन जाता है।

  इस चुनौती से निपटने का तरीका यह है कि पेपर में सबसे पहले वही प्रश्न किये जाएँ जो अभ्यर्थी की जानकारी के क्षेत्र से हैं और उन्हें पर्याप्त समय दिया जाए। बीच-बीच में जो प्रश्न नहीं आते हैं या जिन पर गहरा अध्ययन नहीं है, उन्हें निशान लगाकर छोड़ देना चाहिये और अगर अंत में समय बचे तो उनका उत्तर देने की कोशिश करनी चाहिये, नहीं तो उन्हें छोड़ देने में ही भलाई है।

सीसैट (CSAT)

सीसैट क्या है? (What is CSAT?)

प्रारंभिक परीक्षा के प्रश्नपत्र-2 को 'सीसैट' (CSAT) या 'सिविल सेवा अभिवृत्ति परीक्षा' (Civil Services Aptitude Test) कहा जाता है जिसे 2011 से परीक्षा प्रणाली में शामिल किया गया है। दरअसल, 'सीसैट' की संकल्पना पहली बार वाई.के. अलघ समिति की रिपोर्ट में 2001 में प्रस्तावित की गई थी। सिविल सेवा परीक्षा में सुधारों पर विचार करने के लिये गठित की गई इस समिति ने सुझाव दिया था कि प्रारंभिक परीक्षा में वैकल्पिक विषय के साथ 'सीसैट' की परीक्षा होनी चाहिये तथा सामान्य अध्ययन को सिर्फ मुख्य परीक्षा तक सीमित रखा जाना चाहिये। 2011 में संघ लोक सेवा आयोग ने इस सुझाव को कुछ बदलते हुए वैकल्पिक विषय को हटा दिया तथा सामान्य अध्ययन के साथ 'सीसैट' की परीक्षा को प्रस्तावित किया।

सीसैट काफी हद तक किसी भी अन्य अभिवृत्ति परीक्षा (Aptitude Test), जैसे कैट (CAT), मैट (MAT), जीमैट (GMAT) के समान है और यह भी इन परीक्षाओं की तरह उम्मीदवार की बौद्धिक क्षमता (IQ-Intelligence Quotient) की जाँच करता है; पर चूँकि हर क्षेत्र में बौद्धिक क्षमताओं के अलग-अलग समुच्चय या संयोजन की ज़रूरत होती है, इसलिये सीसैट में प्रश्नों की प्रकृति तथा अनुपात सिविल सेवाओं या प्रशासन की आवश्यकताओं के आधार पर निर्धारित किया गया है। उदाहरण के तौर पर, इसमें शामिल गणित और अंग्रेज़ी के प्रश्न कैट (CAT) जैसी परीक्षाओं के स्तर से काफी आसान होते हैं क्योंकि प्रशासन चलाने की प्रक्रिया में प्राय: उस स्तर पर गणित व अंग्रेज़ी की आवश्यकता नहीं पड़ती। इसी तरह, इसमें प्रशासन की समस्याओं से जुड़े निर्णयन व समस्या समाधान (Decision Making & Problem Solving) के कुछ प्रश्न होते हैं जो प्रबंधन (Management) की समस्याओं से अलग प्रकृति के होते हैं।

कुल मिलाकर, 'सीसैट' बौद्धिक योग्यता (Intelligence Quotient) की एक परीक्षा है जो विशेष तौर पर सिविल सेवाओं के लिये आवश्यक बौद्धिक क्षमताओं का परीक्षण करने के उद्देश्य से प्रस्तावित की गई है।

मैं दृष्टि संस्थान व व्यक्तिगत रूप से विकास दिव्यकीर्ति सर की आभारी हूँ जिन्होंने लगातार मुझे सही दिशा की तरफ अग्रसर किया। मैं नियमित रूप से 'दृष्टि करेंट अफेयर्स टुडे' की पाठक रही हूँ। इसके हिंदी व अंग्रेज़ी दोनों वर्ज़न, दोनों माध्यमों के विद्यार्थियों के लिये काफी लाभप्रद रहे हैं।

–आरती सिंह (IAS 2016 में 116वीं रैंक)

सीसैट की भूमिका (Role of CSAT)

जैसा कि आपको पता है कि प्रारंभिक परीक्षा में सीसैट प्रश्नपत्र क्वालीफाइंग पेपर के रूप में है। किसी भी अभ्यर्थी को प्रारंभिक परीक्षा पास करने के लिये सीसैट प्रश्नपत्र में 33% अंक प्राप्त करने आवश्यक होते हैं। विदित है कि प्रारंभिक परीक्षा में सीसैट प्रश्नपत्र में 80 प्रश्न पूछे जाते हैं जिसमें प्रत्येक प्रश्न के लिये 2.5 अंक निर्धारित होते हैं और इस तरह सीसैट प्रश्नपत्र कुल 200 अंकों का होता है। किसी भी अभ्यर्थी को सीसैट प्रश्नपत्र के 200 अंकों में से 66 अंक प्राप्त करने अनिवार्य होते हैं यानी उसे नकारात्मक अंकन (Negative Marking) के लिये काटे गए अंकों के बाद 66 अंक प्राप्त करने होते हैं। इसके लिये उसे सीसैट प्रश्नपत्र में पूछे जाने वाले 80 प्रश्नों में से लगभग 27 प्रश्न (नकारात्मक अंकन द्वारा काटे गए प्रश्नों के बाद) सही करने होते हैं।

यदि कोई अभ्यर्थी सीसैट प्रश्नपत्र में 33% अंक प्राप्त नहीं कर पाता है तो उसे फेल माना जाएगा फिर चाहे उसने प्रथम प्रश्नपत्र में कितना भी अच्छा प्रदर्शन क्यों न किया हो।

सीसैट का पाठ्यक्रम (Syllabus of CSAT)

क्र.सं.	खंड
1.	बोधगम्यता (Comprehension)
2.	संचार कौशल सहित अंतर-वैयक्तिक कौशल (Interpersonal skills including communication skills)
3.	तार्किक कौशल एवं विश्लेषणात्मक क्षमता (Logical reasoning and analytical ability)
4.	निर्णय लेना और समस्या समाधान। (Decision-making and problem-solving)
5.	सामान्य मानसिक योग्यता (General mental ability)
6.	आधारभूत संख्यन (संख्याएँ और उनके संबंध, विस्तार-क्रम आदि) (दसवीं कक्षा का स्तर); आँकड़ों का निर्वचन (चार्ट, ग्राफ, तालिका, आँकड़ों की पर्याप्तता आदि- दसवीं कक्षा का स्तर) [Basic numeracy (numbers and their relations, orders of magnitude, etc.) (Class X level), Data interpretation (charts, graphs, tables, data sufficiency etc. (Class X level)]

विभिन्न खंडों का आनुपातिक महत्त्व
(Proportional importance of different segments)

'सीसैट' (CSAT) में पाठ्यक्रम में वर्णित विभिन्न खंडों से बराबर प्रश्न नहीं पूछे जाते। इसके प्रश्नों की प्रकृति भी शेष प्रतियोगी परीक्षाओं से काफी अलग होती है। इसके संबंध में निम्नलिखित बिंदुओं को रेखांकित किया जा सकता है-

1. 'सीसैट' में सबसे ज़्यादा प्रश्न 'बोधगम्यता' (Comprehension) से पूछे जाने की प्रवृत्ति है। कुल 80 प्रश्नों में से इस खंड के प्रश्नों की संख्या प्राय: 30–35 तक होती है। आमतौर पर लगभग 100–150 शब्दों वाले अनुच्छेदों से 1 प्रश्न और 150–200 शब्दों वाले अनुच्छेदों से 2 प्रश्न पूछे जाते हैं। दो घंटों की परीक्षा-अवधि में उम्मीदवार को कुल 25–30 अनुच्छेद पढ़ने होते हैं जो कि एक जटिल और थकाऊ काम है।

   ध्यान रखें कि अनुच्छेद दोनों भाषाओं में दिये जाते हैं, इनमें आमतौर पर भाषा जटिल होती है और प्रश्नों का सटीक उत्तर खोजने में गलती होने की प्रबल संभावना रहती है। इन अनुच्छेदों का मूल पाठ अंग्रेज़ी में तथा उसका अनुवाद हिंदी मे होने के कारण हिंदी-भाषी उम्मीदवारों को यह समस्या भी झेलनी पड़ती है कि कहीं अनुवाद में कोई गलती या अर्थ-भिन्नता न हो।
2. महत्त्व की दृष्टि से दूसरे क्रम पर 'तर्कशक्ति' (Reasoning) (पाठ्यक्रम के खंड 3 तथा 5) को रखा जा सकता है। इसके प्रश्न प्राय: बैंक या अन्य परीक्षाओं की तरह 'फॉर्मूला' आधारित न होकर कुछ खास पेंच लिये हुए होते हैं और उम्मीदवार से तीव्र दिमागी प्रतिक्रिया की उम्मीद करते हैं। आमतौर पर विश्लेषणात्मक तर्कशक्ति (Analytical Reasoning) से ज़्यादा प्रश्न पूछे जाते हैं, जैसे- पूर्वमान्यताओं (Assumptions) को पहचानना, कथनों से निष्कर्ष निकालना इत्यादि। गैर-भाषिक तर्कशक्ति (Non-verbal Reasoning) से अधिक प्रश्न पूछे जाने की प्रवृत्ति नहीं है। जहाँ तक तैयारी का सवाल है, इसी परीक्षा तथा अन्य परीक्षाओं के पुराने प्रश्नपत्रों के निरंतर अभ्यास से तर्कशक्ति की क्षमता बढ़ाई जा सकती है।
3. तीसरे स्थान पर 'गणित' या 'आधारभूत संख्यन' (Basic Numeracy) तथा 'आँकड़ों की व्याख्या तथा पर्याप्तता' (Data interpretation & Data sufficiency) के खंडों (पाठ्यक्रम के खंड 6) को रखा जा सकता है। इसके अंतर्गत गणित के 10वीं कक्षा के स्तर तक के प्रश्न पूछे जाते हैं। ज़्यादा अनुपात अंकगणित के व्यावहारिक प्रश्नों का होता है, हालाँकि सीमित रूप से रेखागणित के प्रश्न भी पूछे जाते हैं। 'आँकड़ों की व्याख्या' (Data Interpretation) के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के रेखाचित्रों, सारणियों या अन्य आरेखों के आधार पर निष्कर्ष निकालने से संबंधित प्रश्न पूछे जाते हैं। इस खंड से आने वाले प्रश्नों की संख्या कभी अधिक हो जाती है और कभी कम। 2011 और 2013 में यह संख्या अधिक रही है जबकि 2012 में बहुत कम। निश्चित तौर पर यह नहीं बताया जा सकता कि इस खंड से कितने प्रश्न पूछे जाएंगे? यह ज़रूर है कि प्रश्न ऐसे पूछे जाते हैं जो सिर्फ फॉर्मूले से होने की बजाय मानसिक सावधानी की अपेक्षा रखते हों।
4. इसके बाद, 'निर्णयन' (Decision Making) तथा 'अंतर्वैयक्तिक कौशल' (Interpersonal Skills) के खंडों (पाठ्यक्रम के खंड 4 तथा 2) को रखा जा सकता है। इन खंडों से कुल मिलाकर 6–8 प्रश्नों की संभावना रहती है। खास बात यह है कि इन प्रश्नों में नकारात्मक अंकन (Negative marking) की व्यवस्था लागू नहीं होती अर्थात् चारों में से कोई भी विकल्प चुनने पर उम्मीदवार के अंक काटे नहीं जाते। साथ ही, इनमें 'भेदात्मक अंकन' (Differential Marking) की व्यवस्था लागू है। इसका अर्थ है कि इनमें एक ही उत्तर को ठीक मानने की बाध्यता नहीं होती बल्कि एक से अधिक उत्तरों को भी 'ज़्यादा ठीक' और 'कम ठीक' माना जा सकता है। हो सकता है कि 'ज़्यादा ठीक' उत्तर के लिये

मैंने अपनी समग्र तैयारी दृष्टि संस्थान से की और मैं आज जो भी सफलता प्राप्त कर सका उसका आधार संस्थान ने ही तैयार किया, जिसके लिये मैं सदैव कृतज्ञ रहूंगा। मैंने पूरे समर्पण के साथ 'दृष्टि करंट अफेयर्स टुडे' पत्रिका को पढ़ा है और नि:संकोच कह सकता हूँ कि हिंदी माध्यम में इससे बेहतर पत्रिका शायद ही हो।

-कंचन कुमार काण्डपाल (IAS 2016 में चयनित)

2.5 अंक दिये जाएँ जबकि 'कम ठीक' उत्तर के लिये 1.5 अंक। नकारात्मक अंकन न होने तथा 'भेदात्मक अंकन' (Differential Marking) होने के कारण परीक्षा में इस खंड के प्रश्नों को बिल्कुल नहीं छोड़ना चाहिये। खुद को प्रशासनिक अधिकारी समझते हुए सामान्य बुद्धि (Common Sense) से इनका उत्तर दिया जाए तो इनके ठीक हो जाने की संभावना बनती है, पर बेहतर है कि ऐसे प्रश्नों का समुचित अभ्यास भी कर लिया जाए।

नीचे दी गई तालिका में इस बात का उल्लेख किया गया है कि पिछले 7 वर्षों में सीसैट के विभिन्न खंडों से कितने-कितने प्रश्न पूछे गए हैं। इसे देखकर आप अनुमान कर सकते हैं कि किन खंडों पर आपको ज़्यादा ध्यान देना चाहिये।

2012-2018 तक सीसैट में विभिन्न खंडों से पूछे गए प्रश्नों की संख्या

पाठ्यक्रम का खंड	2012	2013	2014	2015	2016	2017	2018
बोधगम्यता (द्विभाषिक)	32	24	26	30	27	30	26
अंग्रेज़ी बोधगम्यता	8	8	6*	0	0	0	0
आधारभूत संख्ययन/गणित	3	9	16	20	28	24	17
आँकड़ों की व्याख्या/पर्याप्तता	0	5	5	0	0	0	12
तर्कशक्ति/विश्लेषणात्मक योग्यता	30	28	27	30	25	26	25
निर्णयन, अंतर्वैयक्तिक कौशल	7	6	0	0	0	0	0
कुल	80	80	80*	80	80	80	80

* 2014 में अंग्रेज़ी बोधगम्यता से संबंधित प्रश्नों की गणना नहीं की गई थी अर्थात् कट ऑफ अंक के लिये केवल 74 प्रश्नों का ही मूल्यांकन किया गया था। 2015 से अंग्रेज़ी बोधगम्यता के प्रश्नों को ही हटा दिया गया है।

हमारा कक्षा कार्यक्रम (Our Class Programme)

सामान्य अध्ययन की तरह ही 'सीसैट' के क्षेत्र में भी 'दृष्टि' एक अग्रणी संस्थान है। हमारे कक्षा कार्यक्रम की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं-

हमारा दृष्टिकोण (Our Approach)

हिंदी माध्यम के बहुत से उम्मीदवार ऐसी सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से आते हैं जिसमें उन्हें 'सीसैट' में शामिल विषयों पर गहरी पकड़ बनाने का मौका कभी नहीं मिला होता। अंग्रेज़ी और गणित में यह समस्या विशेष तौर पर दिखाई देती है क्योंकि इन विषयों के अच्छे व प्रतिबद्ध अध्यापक प्राय: कम ही विद्यार्थियों को अपनी आरंभिक पढ़ाई के दौरान मिल पाते हैं। इस समस्या को समझते हुए हम अपनी कक्षाओं को बिल्कुल बुनियादी स्तर से शुरू करते हैं और हर टॉपिक से जुड़े प्रश्नों का ज़्यादा से ज़्यादा अभ्यास कराते हैं ताकि हमारे विद्यार्थी परीक्षा तक पहुँचने से पहले उस अभाव से बाहर आ जाएँ तथा अंग्रेज़ी माध्यम के उम्मीदवारों से न पिछड़ें। यही कारण है कि जहाँ अन्य संस्थाएँ सीसैट का कार्यक्रम लगभग 70-80 कक्षाओं (लगभग 3 महीने) में पूरा कर देती हैं, वहीं हमारा सीसैट कार्यक्रम लगभग 100 कक्षाओं का होता है तथा लगभग 4 महीने में पूरा होता है। अंग्रेज़ी और गणित में विशेष तौर पर आधारभूत कक्षाओं का आयोजन किया जाता है ताकि कमज़ोर पृष्ठभूमि के विद्यार्थी भी पाठ्यक्रम के प्रति सहज हो जाएँ।

हमारा अध्यापक समूह (Our Faculty Members)

'दृष्टि' ने अध्यापकों के चयन की प्रक्रिया बेहद कठिन रखी है जिसमें कई चरणों को पूरा करने के बाद तथा विद्यार्थियों के 'फीडबैक' के आधार पर ही अध्यापकों की नियुक्ति व स्थायित्व का निर्णय होता है। इस चयन प्रक्रिया के आधार पर हमारे यहाँ 'सीसैट' के प्रत्येक खंड के लिये विशेषज्ञ अध्यापक नियुक्त किये गए हैं जो अपनी सूक्ष्म समझ, व्यापक जानकारियों तथा रोचक प्रस्तुतीकरण के लिये विद्यार्थियों में अत्यंत लोकप्रिय हैं।

सत्र की अवधि तथा क्रम (Duration and Order of Batches)

दृष्टि का 'सीसैट' (CSAT) का सत्र लगभग 100 कक्षाओं का होता है। प्रत्येक कक्षा लगभग 2 घंटे की होती है। पूरा सत्र लगभग 4 माह तक चलता है। कक्षाओं का आयोजन सप्ताह में 6 दिन किया जाता है। आमतौर पर रविवार को अवकाश रहता है पर यह अनिवार्य नहीं है। अगर किसी बैच में पाठ्यक्रम निर्धारित योजना से पीछे रह जाता है तो अपेक्षित गति को बनाए रखने के लिये रविवार को विशिष्ट कक्षाओं का आयोजन किया जा सकता है। इसके अलावा, राष्ट्रीय अवकाशों (26 जनवरी, 15 अगस्त, 2 अक्तूबर) तथा प्रमुख त्यौहारों पर भी अवकाश रहता है।

जाँच परीक्षाएँ तथा समय-प्रबंधन अभ्यास (Tests and Time Management Practice)

संस्था की कोशिश रहती है कि प्रत्येक सत्र में लगभग 10 जाँच-परीक्षाएँ आयोजित होती रहें ताकि विद्यार्थियों को अपनी प्रगति का स्तर समझने और सुधारने के पर्याप्त अवसर मिल सकें। सभी जाँच-परीक्षाओं में ओ.एम.आर. शीट का प्रयोग किया जाता है और निर्धारित समय-सीमा का गंभीरता से पालन किया जाता है ताकि विद्यार्थियों को वास्तविक परीक्षा का पूर्वाभ्यास भी होता रहे। बाद में, एक उन्नत सॉफ्टवेयर की मदद से सभी प्रतिभागियों के प्राप्तांकों तथा स्थानों (Ranks) का निर्धारण किया जाता है और प्रत्येक प्रतिभागी के परिणाम से संबंधित सूचना 'टैक्स्ट मैसेज' के रूप में उसके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर भेज दी जाती है।

व्यक्तिगत सहायता (Personal Assistance)

'सीसैट' (CSAT) के पाठ्यक्रम की प्रकृति ऐसी है कि इसमें विभिन्न विद्यार्थियों की समझने की क्षमता और गति में अंतर बना रहता है। इसे देखते हुए दृष्टि अपने विद्यार्थियों को सत्र के दौरान या सत्र समाप्त हो जाने के बाद भी व्यक्तिगत सहायता उपलब्ध कराती है। इस प्रयोजन के लिये दृष्टि के अध्यापक पूर्व निर्धारित दिन और समय के अनुसार विद्यार्थियों के लिये उपलब्ध रहते हैं। इस संबंध में साप्ताहिक आधार पर दृष्टि कार्यालय से सूचना ली जा सकती है।

अंग्रेज़ी माध्यम का विद्यार्थी होने के बावजूद मैंने दृष्टि संस्थान से सामान्य अध्ययन तथा निबंध की कक्षाएँ कीं। इसके साथ ही टेस्ट सीरीज़ एवं साक्षात्कार के लिये मार्गदर्शन भी प्राप्त किया, जिसका मेरी सफलता में महत्त्वपूर्ण योगदान है। मैंने 'दृष्टि करेंट अफेयर्स टुडे' का नियमित अध्ययन किया है यह पत्रिका मेरी तैयारी में एक महत्त्वपूर्ण सामग्री साबित हुई है। मैं तैयारी करने वाले विभिन्न अभ्यर्थियों को भी इसके अध्ययन की सलाह देता हूँ।

-सुनील शर्मा (IAS 2016 में 237वीं रैंक)

मुख्य परीक्षा

मुख्य परीक्षा क्या है? (What is Main Examination?)

सिविल सेवा परीक्षा का दूसरा चरण 'मुख्य परीक्षा' कहलाता है। प्रारंभिक परीक्षा का उद्देश्य सिर्फ इतना है कि सभी उम्मीदवारों में से कुछ गंभीर व योग्य उम्मीदवारों को चुन लिया जाए तथा वास्तविक परीक्षा उन चुने हुए उम्मीदवारों के बीच आयोजित कराई जाए। प्रारंभिक परीक्षा में सफल होने वाले उम्मीदवारों को सामान्यत: सितंबर माह के दौरान मुख्य परीक्षा देने के लिये आमंत्रित किया जाता है। गौरतलब है कि जहाँ प्रारंभिक परीक्षा पूरी तरह वस्तुनिष्ठ (Objective) होती है, वहीं मुख्य परीक्षा में अलग-अलग शब्द सीमा वाले वर्णनात्मक (Descriptive) प्रश्न पूछे जाते हैं। इन प्रश्नों में विभिन्न विकल्पों में से उत्तर चुनना नहीं होता बल्कि अपने शब्दों में लिखना होता है। यही कारण है कि मुख्य परीक्षा में सफल होने के लिये अच्छी लेखन शैली को भी एक महत्त्वपूर्ण योग्यता माना जाता है।

मुख्य परीक्षा की संरचना व प्रणाली (Structure & System of Main Examination)

मुख्य परीक्षा कुल 1750 अंकों की होती है जिसमें 1000 अंक सामान्य अध्ययन के लिये (250–250 अंकों के 4 प्रश्नपत्र), 500 अंक एक वैकल्पिक विषय के लिये (250–250 अंकों के 2 प्रश्नपत्र) तथा 250 अंक निबंध के लिये निर्धारित हैं। इसके अलावा, 300-300 अंकों के दो प्रश्नपत्र [अंग्रेज़ी तथा भारतीय भाषा (हिंदी या कोई अन्य भाषा)] होते हैं जो क्वालीफाइंग प्रकृति के हैं। भारतीय भाषा में न्यूनतम अर्हता अंक 25% (75) तथा अंग्रेज़ी में भी न्यूनतम अर्हता अंक 25% (75) निर्धारित किये गए हैं।

मुख्य परीक्षा की वर्तमान प्रणाली इस प्रकार है-

प्रश्नपत्र-1	निबंध	250 अंक
प्रश्नपत्र-2	सामान्य अध्ययन-1: (भारतीय विरासत और संस्कृति, विश्व का इतिहास एवं भूगोल तथा समाज)	250 अंक
प्रश्नपत्र-3	सामान्य अध्ययन-2: (शासन व्यवस्था, संविधान, राजव्यवस्था, सामाजिक न्याय तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध)	250 अंक
प्रश्नपत्र-4	सामान्य अध्ययन-3: (प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास, जैव-विविधता, पर्यावरण, सुरक्षा तथा आपदा- प्रबंधन)	250 अंक
प्रश्नपत्र-5	सामान्य अध्ययन-4: (नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा और अभिवृत्ति)	250 अंक
प्रश्नपत्र-6	वैकल्पिक विषय- प्रश्नपत्र-1	250 अंक
प्रश्नपत्र-7	वैकल्पिक विषय- प्रश्नपत्र-2	250 अंक
क्वालिफाइंग प्रश्नपत्र-क	हिंदी या संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल कोई भाषा	300 अंक**
क्वालिफाइंग प्रश्नपत्र-ख	अंग्रेज़ी	300 अंक**
कुल अंक (Total Marks)		1750 अंक

भारतीय भाषाओं और अंग्रेज़ी पर अर्हक प्रश्नपत्र

इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य अंग्रेज़ी तथा संबंधित भारतीय भाषा में अपने विचारों को स्पष्ट तथा सही रूप से प्रकट करना तथा गंभीर तर्कपूर्ण गद्य को पढ़ने और समझने में उम्मीदवार की योग्यता की परीक्षा करना है।

प्रश्नपत्रों का स्वरूप आमतौर पर निम्न प्रकार का होगा :

(i) दिये गए गद्यांशों को समझना (Comprehension)

(ii) संक्षेपण (Precis Writing)

(iii) शब्द प्रयोग तथा शब्द भंडार (Usage and Vocabulary)

(iv) लघु निबंध (Short Essays)

भारतीय भाषाएँ :

(i) दिये गए गद्यांशों को समझना (ii) संक्षेपण

(iii) शब्द प्रयोग तथा शब्द भंडार (iv) लघु निबंध

(v) अंग्रेज़ी से भारतीय भाषा तथा भारतीय भाषा से अंग्रेज़ी में अनुवाद

- **नोट-1 :** भारतीय भाषाओं और अंग्रेज़ी के प्रश्नपत्र मैट्रिकुलेशन या समकक्ष स्तर के होंगे, जिनमें केवल अर्हता प्राप्त करनी है। इन प्रश्नपत्रों में प्राप्तांक योग्यता क्रम के निर्धारण में नहीं गिने जाएंगे।
- **नोट-2 :** अंग्रेज़ी तथा भारतीय भाषाओं के प्रश्नपत्रों के उत्तर उम्मीदवारों को अंग्रेज़ी तथा संबंधित भारतीय भाषा में देने होंगे। (अनुवाद को छोड़कर)।

मैंने परीक्षा की तैयारी के लिये दृष्टि संस्थान से मार्गदर्शन लिया एवं कक्षाएँ कीं। मेरी सफलता में दृष्टि संस्थान, विशेषकर विकास दिव्यकीर्ति सर की बहुत सकारात्मक भूमिका रही है। निबंध मेरा हमेशा से एक मज़बूत पक्ष रहा है, फिर भी मैंने अपने कुछ निबंध विकास सर से जँचवाए जो मेरे लिये बहुत उपयोगी रहा। ***-निशांत जैन (IAS, राजस्थान काडर)***

मुझे दृष्टि संस्थान, खासकर विकास सर के व्यक्तिगत मार्गदर्शन से इस सफलता को कम समय में प्राप्त करने में काफी सहायता मिली। ***-धनंजय पाठक (डिप्टी कलक्टर, JPSC)***

मेरी सफलता में प्रत्यक्ष रूप से बहुत से लोगों का योगदान है किंतु विकास सर का विशेष तौर पर सहयोग रहा। मैंने दृष्टि संस्थान से मार्गदर्शन लिया तथा मेरी सफलता में इस संस्थान का बहुत बड़ा योगदान है। ***-राजेन्द्र पैंसिया (IAS, उत्तर प्रदेश काडर)***

नोटः *मुख्य परीक्षा के प्रश्नपत्र अंग्रेज़ी और हिंदी दोनों भाषाओं में साथ-साथ प्रकाशित किये जाते हैं, पर उम्मीदवारों को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल 22 भाषाओं में से किसी में भी उत्तर देने की छूट होती है। वे सिविल सेवा परीक्षा के फॉर्म में मुख्य परीक्षा हेतु जिस भाषा को अपने माध्यम के तौर पर अंकित करते हैं, उन्हें मुख्य परीक्षा के सभी प्रश्नपत्रों के उत्तर उसी भाषा में लिखने होते हैं। केवल साहित्य के विषयों में यह छूट है कि उम्मीदवार उसी भाषा की लिपि में उत्तर लिखता है, चाहे उसका माध्यम वह भाषा न हो। उदाहरण के लिये, अंग्रेज़ी माध्यम का उम्मीदवार अगर वैकल्पिक विषय के रूप में हिंदी साहित्य का चयन करता है तो उसके उत्तर वह देवनागरी लिपि में लिखेगा। शेष मामलों में, इसकी अनुमति नहीं है कि उम्मीदवार अलग-अलग प्रश्नपत्रों के उत्तर अलग-अलग भाषाओं में दे (हालाँकि कुछ राज्यों के लोक सेवा आयोगों ने ऐसी अनुमति दी हुई है)।*

मुख्य परीक्षा के लिये वैकल्पिक विषयों की सूची

(i) कृषि
(ii) पशुपालन एवं पशुचिकित्सा विज्ञान
(iii) नृविज्ञान
(iv) वनस्पति विज्ञान
(v) रसायन विज्ञान
(vi) सिविल इंजीनियरी
(vii) वाणिज्यशास्त्र तथा लेखा विधि
(viii) अर्थशास्त्र
(ix) विद्युत इंजीनियरी
(x) भूगोल
(xi) भू-विज्ञान
(xii) इतिहास
(xiii) विधि
(xiv) प्रबंधन
(xv) गणित
(xvi) यांत्रिक इंजीनियरी
(xvii) चिकित्सा विज्ञान
(xviii) दर्शनशास्त्र
(xix) भौतिकी
(xx) राजनीति विज्ञान तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध
(xxi) मनोविज्ञान
(xxii) लोक प्रशासन
(xxiii) समाजशास्त्र
(xxiv) सांख्यिकी
(xxv) प्राणि विज्ञान
(xxvi) निम्नलिखित भाषाओं में से किसी एक भाषा का साहित्य : असमिया, बंगाली, बोडो, डोगरी, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मैथिली, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, ओडिया, पंजाबी, संस्कृत, संथाली, सिंधी, तमिल, तेलुगू, उर्दू और अंग्रेज़ी।

नोटः यूपीपीसीएस की मुख्य परीक्षा में समाज-कार्य और रक्षा अध्ययन भी वैकल्पिक विषयों के रूप में मौजूद हैं।

www.drishtiias.com

हिंदी में पहली बार वह सब जो आपको अंग्रेज़ी की वेबसाइट्स पर भी नहीं मिलेगा

तैयारी की रणनीति
मेंस प्रैक्टिस प्रश्न
पी.सी.एस. परीक्षा की तैयारी
डेली न्यूज़ और एडिटोरियल (अंग्रेज़ी के प्रमुख समाचार पत्रों से)
राज्यसभा/लोकसभा टी.वी. डिबेट
पी.आर.एस. कैप्सूल्स
माइंड मैप
टू द पॉइंट
ऑल इंडिया टेस्ट सीरीज़ (प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा)
इन्फोग्राफिक्स
एन.सी.ई.आर.टी. टेस्ट
महत्त्वपूर्ण रिपोर्ट्स की जिस्ट
डेली करेंट टेस्ट [योजना, कुरुक्षेत्र सहित अन्य महत्त्वपूर्ण पत्रिकाओं के टेस्ट]
ब्लॉग
यू-ट्यूब चैनल

सामान्य अध्ययन (मुख्य परीक्षा) : पाठ्यक्रम [General Studies (Mains): Syllabus]

सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र-1: भारतीय विरासत और संस्कृति, विश्व का इतिहास एवं भूगोल और समाज		*GS-Paper 1: Indian Heritage and Culture, History and Geography of the World and Society*	
क्र.सं.	**विषय**	**S.No.**	**Topic**
1.	भारतीय संस्कृति में प्राचीन काल से आधुनिक काल तक के कला के रूप, साहित्य और वास्तुकला के मुख्य पहलू शामिल होंगे।	1.	Indian culture will cover the salient aspects of Art Forms, Literature and Architecture from ancient to modern times.
2.	18वीं सदी के लगभग मध्य से लेकर वर्तमान समय तक का आधुनिक भारतीय इतिहास- महत्त्वपूर्ण घटनाएँ, व्यक्तित्व, विषय।	2.	Modern Indian history from about the middle of the eighteenth century until the present- significant events, personalities, issues.
3.	स्वतंत्रता संग्राम- इसके विभिन्न चरण और देश के विभिन्न भागों से इसमें अपना योगदान देने वाले महत्त्वपूर्ण व्यक्ति/उनका योगदान।	3.	The Freedom Struggle - its various stages and important contributors/contributions from different parts of the country.
4.	स्वतंत्रता के पश्चात् देश के अंदर एकीकरण और पुनर्गठन।	4.	Post-independence consolidation and reorganization within the country.
5.	विश्व के इतिहास में 18वीं सदी तथा बाद की घटनाएँ यथा औद्योगिक क्रांति, विश्व युद्ध, राष्ट्रीय सीमाओं का पुनःसीमांकन, उपनिवेशवाद, उपनिवेशवाद की समाप्ति, राजनीतिक दर्शन जैसे साम्यवाद, पूंजीवाद, समाजवाद आदि शामिल होंगे, उनके रूप और समाज पर उनका प्रभाव।	5.	History of the world will include events from 18th century such as Industrial revolution, World wars, Redrawal of national boundaries, Colonization, Decolonization, Political philosophies like Communism, Capitalism, Socialism etc.- their forms and effect on the society.
6.	भारतीय समाज की मुख्य विशेषताएँ, भारत की विविधता।	6.	Salient features of Indian Society, Diversity of India.
7.	महिलाओं की भूमिका और महिला संगठन, जनसंख्या एवं संबद्ध मुद्दे, गरीबी और विकासात्मक विषय, शहरीकरण, उनकी समस्याएँ और उनके रक्षोपाय।	7.	Role of women and women's organizations, Population and associated issues, Poverty and developmental issues, Urbanization, their problems and their remedies.
8.	भारतीय समाज पर भूमंडलीकरण का प्रभाव।	8.	Effects of globalization on Indian society.
9.	सामाजिक सशक्तीकरण, संप्रदायवाद, क्षेत्रवाद और धर्मनिरपेक्षता।	9.	Social empowerment, Communalism, Regionalism & Secularism.
10.	विश्व के भौतिक भूगोल की मुख्य विशेषताएँ।	10.	Salient features of world's physical geography.
11.	विश्व भर के मुख्य प्राकृतिक संसाधनों का वितरण (दक्षिण एशिया और भारतीय उपमहाद्वीप को शामिल करते हुए), विश्व (भारत सहित) के विभिन्न भागों में प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र के उद्योगों को स्थापित करने के लिये ज़िम्मेदार कारक।	11.	Distribution of key natural resources across the world (including South Asia and the Indian sub-continent); factors responsible for the location of primary, secondary and tertiary sector industries in various parts of the world (including India).
12.	भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखीय हलचल, चक्रवात आदि जैसी महत्त्वपूर्ण भू-भौतिकीय घटनाएँ, भौगोलिक विशेषताएँ और उनके स्थान- अति महत्त्वपूर्ण भौगोलिक विशेषताओं (जल-स्रोत और हिमावरण सहित) और वनस्पति एवं प्राणिजगत में परिवर्तन और इस प्रकार के परिवर्तनों के प्रभाव।	12.	Important Geophysical phenomena such as Earthquakes, Tsunami, Volcanic activity, Cyclone etc., geographical features and their location- changes in critical geographical features (including Waterbodies and Ice-caps) and in flora and fauna and the effects of such changes.

मैंने 'दृष्टि द विज़न' संस्थान से कोचिंग ली जो मेरे लिये लाभदायक रही और सफलता में इसकी महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। इंटरव्यू के लिये विकास दिव्यकीर्ति सर का मार्गदर्शन सहायक रहा।

-देवीलाल (IAS, गुजरात काडर)

मैंने निबंध तथा साक्षात्कार की तैयारी में विकास दिव्यकीर्ति सर का मार्गदर्शन लिया था। मेरी सफलता में यह मार्गदर्शन काफी सहायक रहा।

-प्रेमसुख डेलू (IPS, गुजरात काडर)

यह पत्रिका (दृष्टि करेंट अफेयर्स टुडे) हिन्दी माध्यम में उपलब्ध पाठ्य सामग्री की कमी को पूरा करने की एक गंभीर कोशिश है। इसके सभी खंडों का व्यवस्थित अध्ययन तैयारी को संपूर्णता प्रदान करता है। पत्रिका के 'समसामयिक मुद्दों पर संभावित प्रश्नोत्तर' खंड से मुझे मुख्य परीक्षा की तैयारी में विशेष मदद मिली थी।

-मनीष कुमार (IPS, सिक्किम काडर)

सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र-2: शासन व्यवस्था, संविधान, शासन प्रणाली, सामाजिक न्याय तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध		*GS-Paper 2 : Governance, Constitution, Polity, Social Justice and International Relations*	
क्र.सं.	**विषय**	**S.No.**	**Topic**
1.	भारतीय संविधान- ऐतिहासिक आधार, विकास, विशेषताएँ, संशोधन, महत्त्वपूर्ण प्रावधान और बुनियादी संरचना।	1.	Indian Constitution- historical underpinnings, evolution, features, amendments, significant provisions and basic structure.
2.	संघ एवं राज्यों के कार्य तथा उत्तरदायित्व, संघीय ढाँचे से संबंधित विषय एवं चुनौतियाँ, स्थानीय स्तर पर शक्तियों और वित्त का हस्तांतरण और उसकी चुनौतियाँ।	2.	Functions and responsibilities of the Union and the States, issues and challenges pertaining to the federal structure, devolution of powers and finances up to local levels and challenges therein.
3.	विभिन्न घटकों के बीच शक्तियों का पृथक्करण, विवाद निवारण तंत्र तथा संस्थान।	3.	Separation of powers between various organs, dispute redressal mechanisms and institutions.
4.	भारतीय संवैधानिक योजना की अन्य देशों के साथ तुलना।	4.	Comparison of the Indian constitutional scheme with that of other countries.
5.	संसद और राज्य विधायिका- संरचना, कार्य, कार्य-संचालन, शक्तियाँ एवं विशेषाधिकार और इनसे उत्पन्न होने वाले विषय।	5.	Parliament and State Legislatures - structure, functioning, conduct of business, powers & privileges and issues arising out of these.
6.	कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्य- सरकार के मंत्रालय एवं विभाग, प्रभावक समूह और औपचारिक/अनौपचारिक संघ तथा शासन प्रणाली में उनकी भूमिका।	6.	Structure, organization and functioning of the Executive and the Judiciary; Ministries and Departments of the Government; pressure groups and formal/informal associations and their role in the Polity.
7.	जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की मुख्य विशेषताएँ।	7.	Salient features of the Representation of People's Act.
8.	विभिन्न संवैधानिक पदों पर नियुक्ति और विभिन्न संवैधानिक निकायों की शक्तियाँ, कार्य और उत्तरदायित्व।	8.	Appointment to various Constitutional posts, powers, functions and responsibilities of various Constitutional Bodies.
9.	सांविधिक, विनियामक और विभिन्न अर्द्ध-न्यायिक निकाय।	9.	Statutory, regulatory and various quasi-judicial bodies.
10.	सरकारी नीतियों और विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिये हस्तक्षेप और उनके अभिकल्पन तथा कार्यान्वयन के कारण उत्पन्न विषय।	10.	Government policies and interventions for development in various sectors and issues arising out of their design and implementation.
11.	विकास प्रक्रिया तथा विकास उद्योग- गैर-सरकारी संगठनों, स्वयं सहायता समूहों, विभिन्न समूहों और संघों, दानकर्ताओं, लोकोपकारी संस्थाओं, संस्थागत एवं अन्य पक्षों की भूमिका।	11.	Development processes and the development industry- the role of NGOs, SHGs, various groups and associations, donors, charities, institutional and other stakeholders.
12.	केन्द्र एवं राज्यों द्वारा जनसंख्या के अति संवेदनशील वर्गों के लिये कल्याणकारी योजनाएँ और इन योजनाओं का कार्य-निष्पादन; इन अति संवेदनशील वर्गों की रक्षा एवं बेहतरी के लिये गठित तंत्र, विधि, संस्थान एवं निकाय।	12.	Welfare schemes for vulnerable sections of the population by the Centre and States and the performance of these schemes; mechanisms, laws, institutions and Bodies constituted for the protection and betterment of these vulnerable sections.
13.	स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधनों से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित विषय।	13.	Issues relating to development and management of Social Sector/Services relating to Health, Education, Human Resources.
14.	गरीबी एवं भूख से संबंधित विषय।	14.	Issues relating to poverty and hunger.
15.	शासन व्यवस्था, पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्त्वपूर्ण पक्ष, ई-गवर्नेंस-अनुप्रयोग, मॉडल, सफलताएँ, सीमाएँ और संभावनाएँ; नागरिक चार्टर, पारदर्शिता एवं जवाबदेही और संस्थागत तथा अन्य उपाय।	15.	Important aspects of governance, transparency and accountability, e-governance- applications, models, successes, limitations and potential; citizens charters, transparency & accountability and institutional and other measures.
16.	लोकतंत्र में सिविल सेवाओं की भूमिका।	16.	Role of civil services in a democracy.
17.	भारत एवं इसके पड़ोसी- संबंध।	17.	India and its neighborhood- relations.
18.	द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और भारत से संबंधित और/अथवा भारत के हितों को प्रभावित करने वाले करार।	18.	Bilateral, regional and global groupings and agreements involving India and/or affecting India's interests.
19.	भारत के हितों पर विकसित तथा विकासशील देशों की नीतियों तथा राजनीति का प्रभाव; प्रवासी भारतीय।	19.	Effect of policies and politics of developed and developing countries on India's interests, Indian diaspora.
20.	महत्त्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, संस्थाएँ और मंच- उनकी संरचना, अधिदेश।	20.	Important International institutions, agencies and fora- their structure, mandate.

सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र-3: प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास, जैव विविधता, पर्यावरण, सुरक्षा तथा आपदा प्रबंधन		*GS-Paper 3: Technology, Economic Development, Bio-diversity, Environment, Security & Disaster Management*	
क्र.सं.	**विषय**	**S.No.**	**Topic**
1.	भारतीय अर्थव्यवस्था तथा योजना, संसाधनों को जुटाने, प्रगति, विकास तथा रोजगार से संबंधित विषय।	1.	Indian Economy and issues relating to planning, mobilization of resources, growth, development and employment.
2.	समावेशी विकास तथा इससे उत्पन्न विषय।	2.	Inclusive growth and issues arising from it.
3.	सरकारी बजट।	3.	Government Budgeting.
4.	मुख्य फसलें- देश के विभिन्न भागों में फसलों का पैटर्न- सिंचाई के विभिन्न प्रकार एवं सिंचाई प्रणाली- कृषि उत्पाद का भंडारण, परिवहन तथा विपणन, संबंधित विषय और बाधाएँ; किसानों की सहायता के लिये ई-प्रौद्योगिकी।	4.	Major crops – cropping patterns in various parts of the country, different types of irrigation and irrigation systems – storage, transport and marketing of agricultural produce and issues and related constraints; e-technology in the aid of farmers.
5.	प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कृषि सहायता तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य से संबंधित विषय; जन वितरण प्रणाली- उद्देश्य, कार्य, सीमाएँ, सुधार; बफर स्टॉक तथा खाद्य सुरक्षा संबंधी विषय; प्रौद्योगिकी मिशन; पशु पालन संबंधी अर्थशास्त्र।	5.	Issues related to direct and indirect farm subsidies and minimum support prices; Public Distribution System- objectives, functioning, limitations, revamping; issues of buffer stocks and food security; Technology missions; economics of animal-rearing.
6.	भारत में खाद्य प्रसंस्करण एवं संबंधित उद्योग- कार्यक्षेत्र एवं महत्त्व, स्थान, ऊपरी और नीचे की अपेक्षाएँ, आपूर्ति शृंखला प्रबंधन।	6.	Food processing and related industries in India- scope and significance, location, upstream and downstream requirements, supply chain management.
7.	भारत में भूमि सुधार।	7.	Land reforms in India.
8.	उदारीकरण का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव, औद्योगिक नीति में परिवर्तन तथा औद्योगिक विकास पर इनका प्रभाव।	8.	Effects of liberalization on the economy, changes in industrial policy and their effects on industrial growth.
9.	बुनियादी ढाँचा: ऊर्जा, बंदरगाह, सड़क, विमानपत्तन, रेलवे आदि।	9.	Infrastructure: Energy, Ports, Roads, Airports, Railways etc.
10.	निवेश मॉडल।	10.	Investment models.
11.	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी- विकास एवं अनुप्रयोग और रोज़मर्रा के जीवन पर इसका प्रभाव।	11.	Science and Technology- developments and their applications and effects in everyday life.
12.	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियाँ; देशज रूप से प्रौद्योगिकी का विकास और नई प्रौद्योगिकी का विकास।	12.	Achievements of Indians in Science & Technology; indigenization of technology and developing new technology.
13.	सूचना प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, कंप्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-टैक्नोलॉजी, बायो-टैक्नोलॉजी और बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित विषयों के संबंध में जागरुकता।	13.	Awareness in the fields of IT, Space, Computers, robotics, nano-technology, bio-technology and issues relating to intellectual property rights.
14.	संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और क्षरण, पर्यावरण प्रभाव का आकलन।	14.	Conservation, environmental pollution and degradation, environmental impact assessment.
15.	आपदा और आपदा प्रबंधन।	15.	Disaster and disaster management.
16.	विकास और फैलते उग्रवाद के बीच संबंध।	16.	Linkages between development and spread of extremism.
17.	आंतरिक सुरक्षा के लिये चुनौती उत्पन्न करने वाले शासन विरोधी तत्त्वों की भूमिका।	17.	Role of external state and non-state actors in creating challenges to internal security.
18.	संचार नेटवर्क के माध्यम से आंतरिक सुरक्षा को चुनौती, आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों में मीडिया और सामाजिक नेटवर्किंग साइटों की भूमिका, साइबर सुरक्षा की बुनियादी बातें, धन-शोधन और इसे रोकना।	18.	Challenges to internal security through communication networks, role of media and social networking sites in internal security challenges, basics of cyber security; money-laundering and its prevention.
19.	सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियाँ एवं उनका प्रबंधन- संगठित अपराध और आतंकवाद के बीच संबंध।	19.	Security challenges and their management in border areas; –linkages of organized crime with terrorism.
20.	विभिन्न सुरक्षा बल और संस्थाएँ तथा उनके अधिदेश।	20.	Various Security forces and agencies and their mandate.

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-4: नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा और अभिरुचि		GS-Paper 4 : Ethics, Integrity and Aptitude	
इस प्रश्न-पत्र में ऐसे प्रश्न शामिल होंगे जो सार्वजनिक जीवन में उम्मीदवारों की सत्यनिष्ठा, ईमानदारी से संबंधित विषयों के प्रति उनकी अभिवृत्ति तथा उनके दृष्टिकोण तथा समाज से आचार-व्यवहार में विभिन्न मुद्दों तथा सामने आने वाली समस्याओं के समाधान को लेकर उनकी मनोवृत्ति का परीक्षण करेंगे। इन आयामों का निर्धारण करने के लिये प्रश्न-पत्र में किसी मामले के अध्ययन (केस स्टडी) का माध्यम भी चुना जा सकता है। मुख्य रूप से निम्नलिखित क्षेत्रों को कवर किया जाएगा।		*This paper will include questions to test the candidates attitude and approach to issues relating to integrity, probity in public life and his problem solving approach to various issues and conflicts faced by him in dealing with society. Questions may utilise the case study approach to determine these aspects. The following broad areas will be covered.*	
क्र.सं.	**विषय**	**S.No.**	**Topic**
1.	नीतिशास्त्र तथा मानवीय सह-संबंध: मानवीय क्रियाकलापों में नीतिशास्त्र का सार तत्त्व, इसके निर्धारक और परिणाम; नीतिशास्त्र के आयाम; निजी और सार्वजनिक संबंधों में नीतिशास्त्र, मानवीय मूल्य- महान नेताओं, सुधारकों और प्रशासकों के जीवन तथा उनके उपदेशों से शिक्षा; मूल्य विकसित करने में परिवार, समाज और शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका।	1.	Ethics and Human Interface: Essence, determinants and consequences of Ethics in human actions; dimensions of ethics; ethics in private and public relationships. Human Values – lessons from the lives and teachings of great leaders, reformers and administrators; role of family, society and educational institutions in inculcating values.
2.	अभिवृत्ति: सारांश (कंटेन्ट), संरचना, वृत्ति; विचार तथा आचरण के परिप्रेक्ष्य में इसका प्रभाव एवं संबंध; नैतिक और राजनीतिक अभिरुचि; सामाजिक प्रभाव और धारण।	2.	Attitude: content, structure, function; its influence and relation with thought and behaviour; moral and political attitudes; social influence and persuasion.
3.	सिविल सेवा के लिये अभिरुचि तथा बुनियादी मूल्य- सत्यनिष्ठा, भेदभाव रहित तथा गैर-तरफदारी, निष्पक्षता, सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण भाव, कमज़ोर वर्गों के प्रति सहानुभूति, सहिष्णुता तथा संवेदना।	3.	Aptitude and foundational values for Civil Service – integrity, impartiality and non-partisanship, objectivity, dedication to public service, empathy, tolerance and compassion towards the weaker sections.
4.	भावनात्मक समझ: अवधारणाएँ तथा प्रशासन और शासन व्यवस्था में उनके उपयोग और प्रयोग।	4.	Emotional intelligence-concepts, and their utilities and application in administration and governance.
5.	भारत तथा विश्व के नैतिक विचारकों तथा दार्शनिकों के योगदान।	5.	Contributions of moral thinkers and philosophers from India and world.
6.	लोक प्रशासन में लोक/सिविल सेवा मूल्य तथा नीतिशास्त्र: स्थिति तथा समस्याएँ; सरकारी तथा निजी संस्थानों में नैतिक चिंताएँ तथा दुविधाएँ; नैतिक मार्गदर्शन के स्रोतों के रूप में विधि, नियम, विनियम तथा अंतरात्मा; उत्तरदायित्व तथा नैतिक शासन, शासन व्यवस्था में नीतिपरक तथा नैतिक मूल्यों का सुदृढ़ीकरण; अंतर्राष्ट्रीय संबंधों तथा निधि व्यवस्था (फंडिंग) में नैतिक मुद्दे; कॉरपोरेट शासन व्यवस्था।	6.	Public/Civil service values and Ethics in Public administration: Status and problems; ethical concerns and dilemmas in government and private institutions; laws, rules, regulations and conscience as sources of ethical guidance; accountability and ethical governance; strengthening of ethical and moral values in governance; ethical issues in international relations and funding; corporate governance.
7.	शासन व्यवस्था में ईमानदारी: लोक सेवा की अवधारणा; शासन व्यवस्था और ईमानदारी का दार्शनिक आधार, सरकार में सूचना का आदान-प्रदान और पारदर्शिता, सूचना का अधिकार, नीतिपरक आचार संहिता, आचरण संहिता, नागरिक घोषणा पत्र, कार्य संस्कृति, सेवा प्रदान करने की गुणवत्ता, लोक निधि का उपयोग, भ्रष्टाचार की चुनौतियाँ।	7.	Probity in Governance: Concept of public service; Philosophical basis of governance and probity; Information sharing and transparency in government, Right to Information, Codes of Ethics, Codes of Conduct, Citizen's Charters, Work culture, Quality of service delivery, Utilization of public funds, challenges of corruption.
8.	उपर्युक्त विषयों पर मामला संबंधी अध्ययन (केस स्टडीज़)।	8.	Case Studies on above issues.

मेरे चयन में सबसे बड़ी भूमिका विकास दिव्यकीर्ति सर के सानिध्य की रही है। मैंने केवल 'दृष्टि द विज़न' संस्थान के नोट्स पढ़े। इसके अलावा दृष्टि की वेबसाइट का नियमित रूप से अध्ययन किया। इस कड़ी में 'दृष्टि' द्वारा प्रमुख समाचार-पत्रों (हिन्दी व अंग्रेज़ी) के भावानुवादों की उपलब्धता ने हिन्दी-अंग्रेज़ी माध्यम के अंतर को दूर करने में बड़ी भूमिका निभाई। मैं सौभाग्यशाली रहा कि परीक्षा के तीनों चरणों में 'दृष्टि संस्थान' ने समय के अनुकूलतम प्रयोग में मेरी मदद की।

-प्रदीप कुमार (IRS)

सिविल सेवा मुख्य परीक्षा में सामान्य अध्ययन के प्रश्नपत्रों का खण्डवार एवं अंकवार वर्गीकरण

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-1

भारत एवं विश्व का इतिहास	प्रश्नों की संख्या/ अंक 2018	प्रश्नों की संख्या/ अंक 2017	प्रश्नों की संख्या/ अंक 2016	प्रश्नों की संख्या/ अंक 2015	प्रश्नों की संख्या/ अंक 2014	प्रश्नों की संख्या/ अंक 2013
भारतीय विरासत एवं संस्कृति	4 (50 अंक)	1 (10 अंक)	2 (25 अंक)	2 (25 अंक)	4 (40 अंक)	3 (20 अंक)
आधुनिक भारत का इतिहास (स्वतंत्रता से पूर्व)	1 (10 अंक)	5 (65 अंक)	3 (37.5 अंक)	2 (25 अंक)	3 (30 अंक)	4 (40 अंक)
आधुनिक भारत का इतिहास (स्वतंत्रता से पश्चात्)	1 (15 अंक)	–	1 (12.5 अंक)	1 (12.5 अंक)	–	4 (40 अंक)
विश्व इतिहास	–	1 (10 अंक)	1 (12.5 अंक)	2 (25 अंक)	3 (30 अंक)	4 (40 अंक)
अंक	75 अंक	85 अंक	87.5 अंक	87.5 अंक	100 अंक	140 अंक
भारतीय समाज में सामाजिक समस्याएँ	**प्रश्नों की संख्या/ अंक 2018**	**प्रश्नों की संख्या/ अंक 2017**	**प्रश्नों की संख्या/ अंक 2016**	**प्रश्नों की संख्या/ अंक 2015**	**प्रश्नों की संख्या/ अंक 2014**	**प्रश्नों की संख्या/ अंक 2013**
भारतीय समाज की विशेषताएँ	1 (10 अंक)	2 (25 अंक)	–	1 (12.5 अंक)	1 (10 अंक)	–
महिलाओं से संबंधित मुद्दे	1 (15 अंक)	–	–	1 (12.5 अंक)	3 (30 अंक)	1 (10 अंक)
गरीबी एवं विकासात्मक विषय	2 (25 अंक)	–	1 (12.5 अंक)	1 (12.5 अंक)	–	–
शहरीकरण	–	1 (15 अंक)	2 (25 अंक)	2 (25 अंक)	–	1 (10 अंक)
जनसंख्या	–	–	–	2 (25 अंक)	–	–
भारतीय समाज पर भूमण्डलीकरण का प्रभाव	1 (15 अंक)	–	1 (12.5 अंक)	–	–	1 (10 अंक)
संप्रदायवाद, क्षेत्रवाद, धर्मनिरपेक्षता	2 (25 अंक)	1 (15 अंक)	1 (12.5 अंक)	–	1 (10 अंक)	1 (10 अंक)
सामाजिक सशक्तिकरण	–	1 (10 अंक)	1 (12.5 अंक)	1 (12.5 अंक)	–	–
अंक	90 अंक	65 अंक	75 अंक	100 अंक	50 अंक	40 अंक
भारत एवं विश्व का भूगोल	**प्रश्नों की संख्या/ अंक 2018**	**प्रश्नों की संख्या/ अंक 2017**	**प्रश्नों की संख्या/ अंक 2016**	**प्रश्नों की संख्या/ अंक 2015**	**प्रश्नों की संख्या/ अंक 2014**	**प्रश्नों की संख्या/ अंक 2013**
भौतिक भूगोल	2 (25 अंक)	3 (40 अंक)	1 (12.5 अंक)	2 (25 अंक)	2 (20 अंक)	5 (30 अंक)
प्राकृतिक संसाधनों का वितरण	2 (25 अंक)	1 (10 अंक)	5 (62.5 अंक)	3 (37.5 अंक)	2 (20 अंक)	2 (20 अंक)
भारत एवं विश्व में उद्योगों को स्थापित करने वाले कारक	2 (25 अंक)	2 (25 अंक)	–	–	3 (30 अंक)	2 (10 अंक)
महत्त्वपूर्ण भू-भौतिक घटनाएँ (भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी इत्यादि)	–	1 (15 अंक)	1 (12.5 अंक)	–	2 (20 अंक)	2 (10 अंक)
भौगोलिक विशेषताएँ और उनके स्थान	1 (10 अंक)	1 (10 अंक)	–	–	1 (10 अंक)	–
अंक	85 अंक	100 अंक	87.5 अंक	62.5 अंक	100 अंक	70 अंक
कुल अंक	**250**	**250**	**250**	**250**	**250**	**250**

सफलता का पहला श्रेय तो दृष्टि संस्थान, विशेष तौर पर विकास दिव्यकीर्ति सर को ही जाता है। मैंने अपनी तैयारी के लिये 'दृष्टि द विज़न' संस्था से मार्गदर्शन लिया था। जब मैंने तैयारी शुरू की थी तब मुझे परीक्षा, सामान्य अध्ययन या किसी भी विषय के बारे में बहुत कम जानकारी थी। ऐसी स्थिति में दृष्टि संस्थान की अध्ययन सामग्री और अच्छे अध्यापकों की टीम ने ही मुझे सफलता दिलाने में मदद की। ***-गरिमा तिवारी (IAS)***

मुझे साक्षात्कार हेतु 'दृष्टि द विज़न' से विकास दिव्यकीर्ति सर का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। संस्थान में दिये छद्म-साक्षात्कार से अभिव्यक्ति में सुधार हुआ एवं आत्मविश्वास में बढ़ोत्तरी हुई। साथ ही, 'दृष्टि करेंट अफेयर्स टुडे' पत्रिका व संस्थान के नोट्स भी अध्ययन में अत्यंत सहायक सिद्ध हुए। दृष्टि के निबन्ध के नोट्स से भी काफी मदद मिली। दृष्टि संस्थान की मॉक टेस्ट सीरीज़ में दिये टेस्ट भी सहायक रहे। ***-अजितेश मीणा (IRS)***

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-2

भारतीय संविधान एवं शासन व्यवस्था	प्रश्नों की संख्या/ अंक 2018	प्रश्नों की संख्या/ अंक 2017	प्रश्नों की संख्या/ अंक 2016	प्रश्नों की संख्या/ अंक 2015	प्रश्नों की संख्या/ अंक 2014	प्रश्नों की संख्या/ अंक 2013
भारतीय संविधान (विशेषताएँ प्रावधान) भारतीय संवैधानिक योजना की अन्य देशों से तुलना	1 (15 अंक)	2 (30 अंक)	3 (37.5 अंक)	2 (25 अंक)	1 (12.5 अंक)	2 (20 अंक)
संघीय ढाँचे से संबंधित विषय एवं स्थानीय शासन	2 (30 अंक)	1 (10 अंक)	2 (25 अंक)	3 (37.5 अंक)	1 (12.5 अंक)	1 (10 अंक)
विधायिका एवं जनप्रतिनिधित्व अधिनियम	1 (10 अंक)	2 (25 अंक)	1 (12.5 अंक)	–	1 (12.5 अंक)	1 (10 अंक)
कार्यपालिका	1 (10 अंक)	–	–	–	2 (25 अंक)	–
न्यायपालिका	1 (15 अंक)	1 (10 अंक)	–	1 (12.5 अंक)	1 (12.5 अंक)	–
विभिन्न घटकों के मध्य शक्ति का पृथक्करण	–	–	–	1 (12.5 अंक)	–	1 (10 अंक)
संवैधानिक पद तथा संवैधानिक विधिक, विनियामक एवं अर्ध-न्यायिक निकाय	4 (45 अंक)	2 (25 अंक)	2 (25 अंक)	1 (12.5 अंक)	1 (12.5 अंक)	3 (30 अंक)
लोकतंत्र में सिविल सेवा	–	1 (15 अंक)	1 (12.5 अंक)	–	1 (12.5 अंक)	–
अंक	125 अंक	115 अंक	112.5 अंक	100 अंक	100 अंक	80 अंक
शासन प्रणाली एवं सामाजिक न्याय	**प्रश्नों की संख्या/ अंक 2018**	**प्रश्नों की संख्या/ अंक 2017**	**प्रश्नों की संख्या/ अंक 2016**	**प्रश्नों की संख्या/ अंक 2015**	**प्रश्नों की संख्या/ अंक 2014**	**प्रश्नों की संख्या/ अंक 2013**
विकास के लिये सरकारी नीतियाँ एवं क्रियान्वयन से संबंधित विषय	1 (10 अंक)	3 (40 अंक)	–	–	4 (50 अंक)	1 (10 अंक)
गैर सरकारी संगठन, स्वयं सहायता समूह एवं विभिन्न समूहों की विकास प्रक्रिया में भूमिका	–	2 (25 अंक)	1 (12.5 अंक)	3 (37.5 अंक)	1 (12.5 अंक)	2 (20 अंक)
अतिसंवेदनशील वर्गों के लिये चलाई गई कल्याणकारी योजनाएँ	–	1 (10 अंक)	1 (12.5 अंक)	–	1 (12.5 अंक)	1 (10 अंक)
मानव संसाधन से संबंधित विषय	2 (25 अंक)	–	2 (25 अंक)	2 (25 अंक)	1 (12.5 अंक)	2 (20 अंक)
गरीबी एवं भूख से संबंधित विषय	1 (15 अंक)	1 (10 अंक)	–	1 (12.5 अंक)	–	–
शासन प्रणाली से संबंधित विषय, पारदर्शिता, जवाबदेही, ई-गवर्नेंस, सिटिज़न चार्टर	2 (25 अंक)	–	3 (37.5 अंक)	2 (25 अंक)	–	3 (30 अंक)
अंक	75 अंक	85 अंक	87.5 अंक	100 अंक	87.5 अंक	90 अंक
अंतर्राष्ट्रीय संबंध	**प्रश्नों की संख्या/ अंक 2018**	**प्रश्नों की संख्या/ अंक 2017**	**प्रश्नों की संख्या/ अंक 2016**	**प्रश्नों की संख्या/ अंक 2015**	**प्रश्नों की संख्या/ अंक 2014**	**प्रश्नों की संख्या/ अंक 2013**
भारत एवं इसके पड़ोसी देश	2 (20 अंक)	1 (10 अंक)	–	2 (25 अंक)	1 (12.5 अंक)	6 (60 अंक)
द्विपक्षीय, क्षेत्रीय एवं वैश्विक समूह, विकसित और विकासशील देशों की नीतियों का भारत पर प्रभाव, प्रवासी भारतीय	1 (15 अंक)	2 (30 अंक)	2 (25 अंक)	1 (12.5 अंक)	1 (12.5 अंक)	1 (10 अंक)
महत्त्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान	1 (15 अंक)	1 (10 अंक)	2 (25 अंक)	1 (12.5 अंक)	3 (37.5 अंक)	1 (10 अंक)
अंक	50 अंक	50 अंक	50 अंक	50 अंक	62.5 अंक	80 अंक
कुल अंक	**250**	**250**	**250**	**250**	**250**	**250**

मेरी सफलता में दृष्टि आईएएस का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। मैंने 'दृष्टि करेंट अफेयर्स टुडे' पत्रिका से एथिक्स-केस स्टडीज़ और निबंध का अध्ययन किया है। मेन्स के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के संबंध में विकास सर की सलाह लाभप्रद रही। 'दृष्टि करेंट अफेयर्स टुडे' आज हिन्दी माध्यम की प्रसिद्ध मैगज़ीन बनकर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर रही है। ***-अवध किशोर पवार (IAS, 2015 में उच्च स्थान पर चयनित)***

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-3

अर्थव्यवस्था	प्रश्नों की संख्या/अंक 2018	प्रश्नों की संख्या/अंक 2017	प्रश्नों की संख्या/अंक 2016	प्रश्नों की संख्या/अंक 2015	प्रश्नों की संख्या/अंक 2014	प्रश्नों की संख्या/अंक 2013
भारतीय अर्थव्यवस्था, योजना, संसाधन, विकास, रोज़गार से संबंधित मुद्दे	2 (30 अंक)	2 (20 अंक)	–	3 (37.5 अंक)	1 (12.5 अंक)	–
समावेशी विकास	1 (10 अंक)	1 (15 अंक)	2 (25 अंक)	–	1 (12.5 अंक)	1 (10 अंक)
बजट	1 (10 अंक)	1 (15 अंक)	1 (12.5 अंक)	–	–	3 (30 अंक)
मुख्य फसलें, कृषि उत्पाद का भंडारण, परिवहन, सिंचाई, ई-प्रौद्योगिकी तथा अन्य संबंधित विषय एवं बाधाएँ	3 (40 अंक)	2 (25 अंक)	2 (25 अंक)	2 (25 अंक)	2 (25 अंक)	–
प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कृषि सहायता, जन वितरण प्रणाली, खाद्य सुरक्षा	1 (10 अंक)	1 (15 अंक)	1 (12.5 अंक)	1 (12.5 अंक)	–	2 (20 अंक)
खाद्य प्रसंस्करण एवं संबंधित उद्योग, पशुपालन	–	1 (10 अंक)	–	2 (25 अंक)	–	1 (10 अंक)
भारत में भूमि सुधार	–	–	1 (12.5 अंक)	–	1 (12.5 अंक)	1 (10 अंक)
उदारीकरण का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव, औद्योगिक नीति	–	1 (15 अंक)	1 (12.5 अंक)	–	1 (12.5 अंक)	1 (10 अंक)
बुनियादी ढाँचा	1 (15 अंक)	–	2 (25 अंक)	1 (12.5 अंक)	1 (12.5 अंक)	1 (10 अंक)
निवेश मॉडल	–	1 (10 अंक)	1 (12.5 अंक)	1 (12.5 अंक)	2 (25 अंक)	3 (20 अंक)
अंक	115 अंक	125 अंक	137.5 अंक	125 अंक	112.5 अंक	120 अंक
विज्ञान और प्रौद्योगिकी	**प्रश्नों की संख्या/अंक 2018**	**प्रश्नों की संख्या/अंक 2017**	**प्रश्नों की संख्या/अंक 2016**	**प्रश्नों की संख्या/अंक 2015**	**प्रश्नों की संख्या/अंक 2014**	**प्रश्नों की संख्या/अंक 2013**
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का विकास, अनुप्रयोग, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, रोबोटिक्स इत्यादि, बौद्धिक संपदा से संबंधित विषय	1 (15 अंक)	1 (10 अंक)	–	3 (37.5 अंक)	1 (12.5 अंक)	6 (45 अंक)
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियाँ, देशज रूप से प्रौद्योगिकी का विकास	1 (10 अंक)	2 (25 अंक)	2 (25 अंक)	1 (12.5 अंक)	2 (25 अंक)	–
अंक	25 अंक	35 अंक	25 अंक	50 अंक	37.5 अंक	45 अंक
पर्यावरण	4 (45 अंक)	2 (25 अंक)	1 (12.5 अंक)	1 (12.5 अंक)	2 (25 अंक)	3 (25 अंक)
आपदा प्रबंधन	1 (15 अंक)	1 (15 अंक)	2 (25 अंक)	1 (12.5 अंक)	1 (12.5 अंक)	1 (10 अंक)
सुरक्षा	**प्रश्नों की संख्या/अंक 2018**	**प्रश्नों की संख्या/अंक 2017**	**प्रश्नों की संख्या/अंक 2016**	**प्रश्नों की संख्या/अंक 2015**	**प्रश्नों की संख्या/अंक 2014**	**प्रश्नों की संख्या/अंक 2013**
विकास एवं उग्रवाद के बीच संबंध	1 (10 अंक)	–	–	1 (12.5 अंक)	–	1 (10 अंक)
आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियाँ, साइबर सुरक्षा, धनशोधन	1 (15 अंक)	2 (25 अंक)	1 (12.5 अंक)	2 (25 अंक)	1 (12.5 अंक)	3 (30 अंक)
सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियाँ, संगठित अपराध एवं आतंकवाद	2 (25 अंक)	2 (25 अंक)	3 (37.5 अंक)	–	4 (50 अंक)	1 (10 अंक)
सुरक्षा बल और संस्थान तथा उनके अधिदेश	–	–	–	1 (12.5 अंक)	–	–
अंक	50 अंक	50 अंक	50 अंक	50 अंक	62.5 अंक	50 अंक
कुल अंक	**250**	**250**	**250**	**250**	**250**	**250**

मैंने दृष्टि संस्थान के डॉ. विकास दिव्यकीर्ति सर से मार्गदर्शन लिया था, मेरी सफलता में इनका महत्त्वपूर्ण योगदान है। विकास सर से चर्चा करने के दौरान काफी कुछ सीखने को मिला। दृष्टि संस्थान द्वारा हिन्दी माध्यम में बेहतरीन पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है, इसके लिये दृष्टि परिवार का बहुत-बहुत धन्यवाद।

-धवल जायसवाल (IAS, 2015 में उच्च स्थान पर चयनित)

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-4

नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा और अभिरुचि	प्रश्नों की संख्या/ अंक 2018	प्रश्नों की संख्या/ अंक 2017	प्रश्नों की संख्या/ अंक 2016	प्रश्नों की संख्या/ अंक 2015	प्रश्नों की संख्या/ अंक 2014	प्रश्नों की संख्या/ अंक 2013
नीतिशास्त्र तथा मानवीय सह-संबंध: मानवीय क्रियाकलापों में नीतिशास्त्र का सार, निर्धारक, परिणाम, आयाम, सार्वजनिक एवं निजी संबंध में नीतिशास्त्र, मूल्य विकसित करने में परिवार समाज व शिक्षण संस्थाएँ	1 (10 अंक)	3 (30 अंक)	3 (40 अंक)	4 (55 अंक)	4 (40 अंक)	2 (20 अंक)
अभिवृत्ति: सारांश, संरचना, वृत्ति, विचार आचरण में इसका प्रभाव, नैतिक राजनीतिक अभिरुचि, सामाजिक प्रभाव एवं धारण	–	1 (10 अंक)	2 (20 अंक)	–	2 (20 अंक)	1 (10 अंक)
भावात्मक समझ: अवधारणा तथा प्रशासन में उपयोग	–	1 (10 अंक)	1 (10 अंक)	–	1 (10 अंक)	3 (30 अंक)
भारत एवं विश्व के नैतिक विचारक एवं दार्शनिक	3 (30 अंक)	2 (20 अंक)	4 (40 अंक)	2 (20 अंक)	1 (10 अंक)	3 (30 अंक)
सिविल सेवा के लिये अभिरुचि तथा बुनियादी मूल्य: सत्यनिष्ठा, गैर तरफदारी, सेवा के प्रति समर्पण, कमज़ोर वर्ग के प्रति सहानुभूति	1 (10 अंक)	3 (40 अंक)	2 (30 अंक)	5 (60 अंक)	4 (50 अंक)	3 (50 अंक)
लोक प्रशासन में लोक/सिविल सेवा मूल्य तथा नीतिशास्त्र, सरकारी एवं निजी संस्थान में नैतिक चिंता एवं दुविधा, उत्तरदायित्व, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों एवं निधि व्यवस्था के नैतिक मुद्दे	8 (110 अंक)	5 (70 अंक)	3 (65 अंक)	4 (70 अंक)	5 (90 अंक)	4 (70 अंक)
शासन व्यवस्था में ईमानदारी, लोक सेवा की अवधारणा, सूचना का अधिकार, नीतिपरक आचार संहिता, पारदर्शिता, कार्यसंस्कृति सेवा की गुणवत्ता, लोकनिधि, भ्रष्टाचार	6 (90 अंक)	4 (70 अंक)	3 (45 अंक)	3 (45 अंक)	2 (30 अंक)	2 (40 अंक)
कुल अंक	**250**	**250**	**250**	**250**	**250**	**250**

मुख्य परीक्षा में सामान्य अध्ययन की भूमिका
(Role of General Studies in Main Exam)

मुख्य परीक्षा के कुल 1750 अंकों में से 1000 अंक सामान्य अध्ययन के होते हैं, इसलिये यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि कुछ अपवादों को छोड़कर सभी उम्मीदवारों के मामले में सफलता का निर्धारण सामान्य अध्ययन में उनकी पकड़ तथा निष्पादन के आधार पर तय होता है। हाँ, साथ में यह तो महत्त्वपूर्ण है ही कि उम्मीदवार ने सही वैकल्पिक विषय चुना था या नहीं; और निबंध तथा साक्षात्कार के लिये समुचित तैयारी की थी या नहीं? वर्ष 2014, 2015, 2016 एवं 2017 की मुख्य परीक्षाओं में विभिन्न वर्गों के लिये कट-ऑफ इस प्रकार रहा–

वर्ग	2014	2015	2016	2017
सामान्य वर्ग	678	676	787	809
अन्य पिछड़े वर्ग	631	630	745	770
अनुसूचित जाति	631	622	739	756
अनुसूचित जनजाति	619	617	730	749
विकलांग वर्ग-1 (PH-1)	609	580	713	734
विकलांग वर्ग-2 (PH-2)	575	627	740	745
विकलांग वर्ग-3 (PH-3)	449	504	545	578

सार यह है कि मुख्य परीक्षा में सामान्य अध्ययन की केंद्रीय भूमिका है। वैकल्पिक विषय और निबंध की भूमिका भी महत्त्वपूर्ण है, किंतु इनमें अच्छे अंक लाकर सामान्य अध्ययन में हुई कमी की भरपाई कर लेना संभव नहीं है।

हिंदी माध्यम से जुड़ी समस्याएँ
(Problems associated with Hindi Medium)

अगर आप हिंदी माध्यम से सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं तो आपको सामान्य अध्ययन से जुड़ी उन समस्याओं की समझ होनी चाहिये जो विशेष रूप से आपके सामने आने वाली हैं।

मूल समस्या यह है कि सामान्य अध्ययन (मुख्य परीक्षा) में हिंदी माध्यम के उम्मीदवार अंग्रेज़ी माध्यम की तुलना में कुछ नुकसान की स्थिति में रहते हैं। अगर आप किसी भी वर्ष के परिणाम में अंग्रेज़ी और हिंदी माध्यम के उम्मीदवारों के सामान्य अध्ययन के अंकों की तुलना करेंगे तो पाएंगे कि हिंदी माध्यम के उम्मीदवार औसत रूप से 25–35 अंक पीछे रह जाते हैं। यही स्थिति दोनों माध्यमों के टॉपर्स के अंकों के बीच भी दिखाई देती है। इसका कारण यह नहीं है कि आयोग जानबूझकर हिंदी माध्यम के विरुद्ध कोई साजिश करता है। दरअसल यह नुकसान परीक्षा प्रणाली की आंतरिक प्रकृति के कारण होता है। इस नुकसान के कुछ विशेष कारण हैं, जैसे–

1. पहला कारण यह है कि अंग्रेज़ी में जिस स्तर की पाठ्य-सामग्री मिलती है, ठीक वैसी हिंदी में नहीं मिल पाती। यह समस्या उन खंडों में ज़्यादा विकराल है जिनमें रोज़-रोज़ नई घटनाएँ घटती हैं और वे हिंदी अखबारों में या तो छपती नहीं, और छपती भी हैं तो बहुत कामचलाऊ ढंग से। ऐसे खंडों में विज्ञान-तकनीक, अंतर्राष्ट्रीय मुद्दे तथा अर्थव्यवस्था प्रमुख हैं। गौरतलब है कि इन खंडों के लिये किताबों, पत्रिकाओं और 'जर्नल्स' में ही नहीं, इंटरनेट पर भी हिंदी में बराबर स्तर की पाठ्य-सामग्री नहीं मिल पाती।
2. दूसरा कारण यह है कि बहुत से परीक्षक अंग्रेज़ी में ज़्यादा सहज होने (और हिंदी में कम सहज होने) के कारण हिंदी के उम्मीदवारों की अभिव्यक्ति से पूरा तालमेल नहीं बैठा पाते। वे हिंदी माध्यम समझते तो हैं, पर हिंदी में की गई प्रभावपूर्ण अभिव्यक्तियों का मर्म ग्रहण नहीं कर पाते। यह समस्या उन खंडों में सघन रूप में दिखती है जिनमें पारिभाषिक या तकनीकी शब्दावली का ज़्यादा प्रयोग होता है और ऐसे शब्दों के हिंदी अनुवाद परीक्षकों के लिये दुर्बोध होते हैं। ऐसे खंडों में भूगोल, अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और विज्ञान-तकनीक को प्रमुख तौर पर शामिल किया जा सकता है।
3. कभी-कभी प्रश्नपत्र में अनुवाद की गलती से भी ऐसा नुकसान हो जाता है। ध्यान रखना चाहिये कि मूल प्रश्नपत्र अंग्रेज़ी में बनाया जाता है और हिंदी में उसका अनुवाद किया जाता है। अगर अनुवादक किसी तकनीकी शब्द का अनुवाद पुस्तकों में प्रचलित अनुवाद से अलग रूप में कर दे या किसी मुहावरेदार अभिव्यक्ति को सटीक रूप में न समझ पाने के कारण अर्थ का अनर्थ कर दे तो उसकी गलती की सज़ा हिंदी माध्यम के उम्मीदवारों को भुगतनी पड़ती है।

इसके अलावा, यह भी नहीं भूलना चाहिये कि साक्षात्कार (Interview) में भी हिंदी माध्यम के उम्मीदवार कई बार नुकसान में रहते हैं।

निबंध

निबंध : एक परिचय

निबंध प्रश्नपत्र दो खण्डों में बँटे होते हैं। प्रत्येक खंड में 4–4 विषय दिये होते हैं और परीक्षार्थियों को इन दोनों खण्डों में से एक-एक विषय पर निबंध लिखना होता है। प्रत्येक निबंध के लिये शब्द-सीमा 1000 से लेकर 1200 शब्द निर्धारित की गई है और प्रत्येक निबंध के लिये 125–125 अंक निर्धारित किये गए हैं। इस प्रकार निबंध प्रश्नपत्र कुल 250 अंकों का है। सिविल सेवा की तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों के बीच निबंध को लेकर सबसे बड़ी दुविधा यह रहती है कि निबंध आखिर क्या है और इसमें हमसे क्या जानने की कोशिश की जाती है? इसलिये यह आवश्यक हो जाता है कि परीक्षार्थी सबसे पहले यह समझें कि निबंध क्या होता है और निबंध प्रश्नपत्र में अधिक से अधिक अंक किस प्रकार प्राप्त किये जाएँ?

अगर सीधे शब्दों में कहें तो निबंध हमारे व्यक्तित्व का आईना होता है। निबंध प्रश्नपत्र के पीछे संघ लोक सेवा आयोग का उद्देश्य हमारे ज्ञान के परीक्षण से अधिक हमारे व्यक्तित्व के परीक्षण का होता है। निबंध लेखन में हमारे द्वारा शब्दों का चयन हमारी संवेदनशीलता, एक सिविल सेवक के रूप में हमारी ईमानदारी और उद्देश्यों के प्रति दृढ़ता एवं नैतिकता को जाहिर करता है।

निबंध प्रश्नपत्र में जो दो खंड होते हैं उनमें से पहले खंड में सामान्य तौर पर अमूर्त और दार्शनिक किस्म के विषय पर निबंध पूछा जाता है और दूसरे खंड में सूचना आधारित विषय पूछे जाते हैं। अमूर्त व दार्शनिक किस्म के विषयों में जहाँ विषय का विश्लेषण, विषय के प्रति हमारी समझ और विषय को प्रस्तुत करने का हमारा नज़रिया महत्त्वपूर्ण होता है। वहीं सूचना आधारित विषयों में हमें तथ्य और विश्लेषण का मिला-जुला रूप प्रस्तुत करना होता है। लेकिन जैसा कि हमने ऊपर चर्चा की है, निबंध प्रश्नपत्र में अब एक बड़ी चुनौती निर्धारित शब्द सीमा (1000 से 1200 शब्दों) में निबंध में पूछे गए विषय के सभी पक्षों को प्रस्तुत करने की है। इसके लिये ज़रूरी हो जाता है कि हम दिये गए विषय की मूल-आत्मा को पहचानें और फिर आवश्यक विषय-वस्तु को निर्धारित समय व शब्द-सीमा में प्रस्तुत करें। अमूर्त किस्म के विषयों में हमारे पास यह स्वतंत्रता होती है कि हम विषय को अपने अनुसार परिभाषित कर सकते हैं, जैसे संघ लोक सेवा आयोग द्वारा पूछा गया कि 'जब अर्थ बोलता है तब सत्य मौन हो जाता है'। इस विषय पर हम अर्थ और सत्य की परिभाषाएँ और उनके विभिन्न आयाम अपने हिसाब से निर्धारित कर सकते हैं। लेकिन जब निबंध का विषय इससे भिन्न प्रकृति का हो, जैसे- क्या कॉमनवेल्थ गेम में भारत को पचास पदक मिल सकते हैं? ऐसे विषय तथ्य और विश्लेषण दोनों की अपेक्षा करते हैं। परंतु आपको एक बात स्पष्ट रूप से समझ लेनी चाहिये कि निबंध तथ्यों का कोरा संकलन मात्र नहीं है बल्कि सूचना, भाषा और भाव का प्रवाह, विश्लेषण तथा ज्ञान का सामंजस्य है; जहाँ किसी एक पक्ष में महारत हासिल कर लेने मात्र से नहीं बल्कि पूछे गए विषय के प्रत्येक पक्ष को संतुलित रूप से प्रस्तुत करके ही सफलता हासिल की जा सकती है।

निबंध की तैयारी आखिर कैसे की जाए? यह एक बड़ा सवाल है जो उम्मीदवारों के समक्ष आ खड़ा होता है। एक बेहतर निबंध किसी एक किताब को पढ़ने या कोई एक फॉर्मूला जान लेने से नहीं बल्कि विषयों की गंभीर समझ और निरंतर अभ्यास से ही लिखा जा सकता है। साथ ही, बदले हुए पाठ्यक्रम के मद्देनज़र हर परीक्षार्थी को यह बात अच्छी तरह से समझ लेनी चाहिये कि वह निबंध के प्रश्नपत्र को हल्के में न ले क्योंकि मुख्य परीक्षा पास करने के साथ-साथ आपके अंतिम चयन में एक अच्छा निबंध निर्णायक भूमिका निभा सकता है, क्योंकि पूरी परीक्षा में यही वह क्षेत्र है जहाँ से आप अपनी रचनात्मकता और मौलिकता के बलबूते सफलता की उड़ान भर सकते हैं।

मैं 'दृष्टि करेंट अफेयर्स टुडे' का नियमित एवं गंभीर पाठक रहा हूँ। मैंने इस पत्रिका के विभिन्न खंडों का लाभ उठाते हुए परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। नवीन घटनाक्रमों की गहराई से जानकारी व भाषायी सुघटता इस मैगज़ीन का मज़बूत व विशिष्ट पक्ष है। तथ्यात्मक जानकारी, निबंध, साक्षात्कार आदि स्तर पर मैंने मैगज़ीन को अतुलनीय पाया है। मैं इस पत्रिका का बहुत बड़ा फैन हूँ। हिंदी माध्यम में ऐसी सामग्री अवश्य मिलना लगभग असंभव है। इस पत्रिका ने हिंदी माध्यम के विद्यार्थियों को अच्छा आधार दिया है। ***-भवानी सिंह (राजस्थान सिविल सेवा 2016 में सर्वोच्च स्थान)***

हमारा मार्गदर्शन कार्यक्रम

निबंध के प्रश्नपत्र में आप बेहतर अंक प्राप्त कर सकें, इसके लिये दृष्टि सतत् रूप से प्रयासरत है। निबंध प्रश्नपत्र में मार्गदर्शन के लिये संस्थान प्रतिवर्ष 6-8 कक्षाएँ तथा 24 जाँच परीक्षाएँ आयोजित करता है। निबंध प्रश्नपत्र के लिये संचालित मार्गदर्शन कार्यक्रम की अधिकांश कक्षाएँ डॉ. विकास द्वारा ही संचालित की जाती हैं, जबकि कुछेक विषय विशिष्ट पक्षों पर चर्चा करने के लिये संबंधित विषय के अध्यापक उपलब्ध रहते हैं। इन कक्षाओं में, निबंध के विभिन्न पक्षों/ विषयों के प्रति अभ्यर्थियों की गहरी समझ का विकास किया जाता है। निबंध लेखन से संबंधित रचनात्मक कौशल व कल्पनात्मक क्षमता के विकास पर विशेष ज़ोर दिया जाता है। इसके अतिरिक्त, इन कक्षाओं में पिछले वर्षों में पूछे गए महत्त्वपूर्ण निबंधों का अभ्यास भी कराया जाता है। बेहतर निबंध लेखन की क्षमता एक दिन में नहीं आती है इसके लिये निरंतर लेखन-अभ्यास की भी ज़रूरत होती है।

इस बात को ध्यान में रखते हुए दृष्टि द्वारा पूरे वर्ष निबंध की एक टेस्ट सीरीज़ का आयोजन किया जाता है। प्रतिमाह आयोजित की जाने वाली इस टेस्ट सीरीज़ में संघ लोक सेवा आयोग के पैटर्न पर प्रश्न पूछे जाते हैं, परीक्षा के बाद इन प्रश्नों के मॉडल उत्तर भी आपको दे दिये जाते हैं। एक्सपर्ट टीम द्वारा आपके उत्तरों का मूल्यांकन किया जाता है एवं आपको यह भी बताया जाता है कि आपके निबंध में क्या कमी रही, आपका कमज़ोर पक्ष क्या है, आप किन-किन क्षेत्रों में बेहतर कर सकते हैं, तथा आपके वर्तमान स्तर में और अधिक सुधार कैसे किया जा सकता है? इसके अतिरिक्त, निबंध की कक्षा करने वाले अभ्यर्थियों को पिछले टॉपर्स द्वारा लिखे गए निबंध भी दिये जाते हैं।

साक्षात्कार

सिविल सेवा परीक्षा का तीसरा और अंतिम चरण साक्षात्कार होता है जिसमें मुख्य परीक्षा में सफल उम्मीदवारों के व्यक्तित्व का परीक्षण किया जाता है। इसमें उम्मीदवारों की सत्यनिष्ठा, मानसिक सतर्कता, तार्किक विश्लेषण क्षमता, सामाजिक सामंजस्य कौशल और नेतृत्व क्षमता के गुणों को परखा जाता है। साक्षात्कार में न तो प्रारंभिक परीक्षा की तरह सही उत्तर के लिये विकल्प होते हैं और न ही मुख्य परीक्षा की तरह अपनी सुविधा से प्रश्नों के चयन की सुविधा। इसमें साक्षात्कार बोर्ड के सदस्यों द्वारा उम्मीदवार से मौखिक प्रश्न पूछे जाते हैं जिसका उत्तर उम्मीदवार को मौखिक रूप से ही देना होता है। प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा की तरह साक्षात्कार का कोई निश्चित पाठ्यक्रम नहीं होता है अतः इसमें पूछे जाने वाले प्रश्नों का दायरा काफी व्यापक होता है। उम्मीदवारों के चयन की अंतिम लिस्ट मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार के अंकों के योग के आधार पर तैयार की जाती है। मुख्य परीक्षा के अंकों (1750 अंक) की तुलना में साक्षात्कार के अंकों (275 अंक) का भार अवश्य कम दिखाई पड़ता है, लेकिन अंतिम चयन और पद निर्धारण में साक्षात्कार के अंकों की विशेष भूमिका हो जाती है।

चूँकि साक्षात्कार के माध्यम से उम्मीदवार के व्यक्तित्व को परखा जाता है अतः इसकी तैयारी जीवन के शुरुआती चरण से ही निरंतर चलती रहती है। व्यक्तित्व निर्माण में घर, स्कूल, कॉलेज में उम्मीदवार को मिले अनुभव और अवसर महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लेकिन इससे यह अर्थ नहीं निकालना चाहिये कि आपके साक्षात्कार की तैयारी कॉलेज खत्म करते ही पूरी हो गयी और अब उसे तैयार करने की आवश्यकता नहीं है। यह बात तय है कि उम्मीदवार के व्यक्तित्व का विकास जिस भी स्तर पर हुआ है, अगर वह योजनाबद्ध और व्यवस्थित तैयारी करेगा तो अपने स्तर पर सामान्यतः मिलने वाले अंकों में कुछ अंकों का इजाफा तो कर ही लेगा। उदाहरण के लिये यदि उम्मीदवार का व्यक्तित्व अत्यंत विकसित है और बिना तैयारी के भी वह 275 में से 175 अंक लाने की काबिलियत रखता है तो यह निश्चित है कि रणनीतिक तैयारी करने पर वह 190–210 अंकों की परिधि को छू लेगा। सिविल सेवा परीक्षा में अंतिम चयन और पद निर्धारण में एक-एक अंक की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है, अतः इस आधार पर साक्षात्कार की तैयारी को नज़रअंदाज़ करना रणनीतिक भूल होगी।

हम मुख्य परीक्षा के परिणाम के तुरंत बाद **निःशुल्क** साक्षात्कार मार्गदर्शन कार्यक्रम प्रारंभ करते हैं। हमारे साक्षात्कार मार्गदर्शन कार्यक्रम की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-

- हमारा साक्षात्कार कार्यक्रम प्रत्येक अभ्यर्थी के कमज़ोर और मज़बूत पक्ष को ध्यान में रखकर बनाया जाता है। जिसमें हम सभी अभ्यर्थियों के लिये एक रणनीति पर नहीं, अपितु प्रत्येक अभ्यर्थी के विशिष्ट व्यक्तित्व को ध्यान में रखकर अलग-अलग रणनीति पर कार्य करते हैं।
- हम प्रत्येक अभ्यर्थी के लिये उसके बायोडाटा (अकादमिक पृष्ठभूमि के विषय, रुचियाँ, गृह राज्य एवं जनपद इत्यादि) से प्रश्न पूछे जाने वाले संभावित क्षेत्रों की एक विस्तृत सूची तैयार करते हैं। अतिसंभावित, सामान्य संभावित तथा कम संभावित प्रश्नों के रूप में विभाजित यह सूची प्रत्येक अभ्यर्थी के लिये अलग-अलग होती है। हम इन प्रश्नों के साथ विशेषज्ञों द्वारा निर्मित संतुलित उत्तर भी आपको उपलब्ध कराते हैं। हम यह दावा नहीं करते कि साक्षात्कार में पूछे जाने वाले सभी प्रश्न हमारी परिधि में होंगे लेकिन हम यह दावा ज़रूर करते हैं कि आपके साक्षात्कार का 50 से 70 प्रतिशत हिस्सा हमारे द्वारा आपके बायोडाटा से सुझाए गए क्षेत्रों से ही होगा।

दृष्टि के वीडियो/ऑडियो लेक्चर से समसामयिकी की तैयारी की। मैंने 'दृष्टि करेंट अफेयर्स टुडे' पत्रिका का नियमित पाठन किया है। मेरी तैयारी की राह में दृष्टि मैगज़ीन, दृष्टि ऑडियो/वीडियो लेक्चर का मार्गदर्शन बहुत महत्त्वपूर्ण था। सरल भाषा शैली, उत्कृष्ट शब्दों का चयन, विषयों का गहन विश्लेषण, सटीक वाक्य निर्माण, अद्यतन विषयों की आवश्यक जानकारियाँ ये सभी दृष्टि मैगज़ीन के आधार हैं। मैं सभी उम्मीदवारों को यह पत्रिका (मासिक) नियमित पढ़ने की सलाह दूंगी।

-दिव्या वैष्णव (CGPSC 2016 में द्वितीय स्थान)

- वास्तविक साक्षात्कार के दिन आप सहज एवं आत्मविश्वास से युक्त हों इसके लिये हम मॉक इंटरव्यू का भी आयोजन करवाते हैं जिसमें सेवानिवृत्त सिविल सेवक, व्यक्तित्व विकास विशेषज्ञ, मनोवैज्ञानिक तथा विषय विशेषज्ञ शामिल होते हैं। हम इस इंटरव्यू की रिकॉर्डिंग कर उसका वीडियो अभ्यर्थी को उपलब्ध कराते हैं, ताकि वह अपनी कमज़ोरियों की पहचान कर उन्हें दूर कर सके।
- मॉक इंटरव्यू के पश्चात् प्रत्येक अभ्यर्थी से उसके इंटरव्यू के संदर्भ में व्यक्तिगत चर्चा की जाएगी। जिसमें उसके मज़बूत और कमज़ोर पक्षों को बताया जाएगा तथा उन कमज़ोरियों को दूर करने के उपाय भी सुझाए जाएंगे।
- संघ लोक सेवा आयोग उम्मीदवारों से यह अपेक्षा रखता है कि किसी विषय पर उनका दृष्टिकोण एकतरफा न होकर संतुलित और प्रगतिशील हो। हम अपने मॉक टेस्ट इंटरव्यू में इस बात का विशेष अभ्यास करवाते हैं कि विवादास्पद मुद्दों पर अभ्यर्थी का निष्कर्ष संतुलित, प्रगतिशील तथा समावेशी हो।

टेस्ट सीरीज़ कार्यक्रम

सिविल सेवा परीक्षा में सफलता के लिये जितनी भूमिका पढ़ाई की होती है लगभग उतनी या उससे ज़्यादा इस बात की होती है कि आपने परीक्षा जैसे मुश्किल स्थितियों में स्वयं को कितनी बार परखा और सुधारा है। अभ्यर्थियों को ठीक परीक्षा के माहौल और वैसे ही प्रश्नपत्र के साथ बार-बार जाँचने के लिये हमने वर्ष 2012 से टेस्ट सीरीज़ कार्यक्रम प्रारंभ किया था। इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा के पहले टेस्ट का आयोजन किया जाता था। इस टेस्ट सीरीज़ कार्यक्रम की सफलता तथा विद्यार्थियों की बेहद मांग पर अब हम पूरे वर्ष प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा की टेस्ट सीरीज़ कार्यक्रम का आयोजन कर रहे हैं। इस टेस्ट कार्यक्रम में भाग लेकर आप न केवल अपने प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा के पाठ्यक्रम को आसानी से कवर कर पाएंगे। वरन् परीक्षा के दौरान अपने स्ट्रेस, टाइम तथा स्पीड का बेहतर मैनेजमेंट कर पाएंगे। सामान्य अध्ययन का टेस्ट कार्यक्रम हिन्दी और अंग्रेज़ी माध्यम अभ्यर्थियों के लिये समान रूप से उपलब्ध है। हमारे टेस्ट कार्यक्रम के अन्य आकर्षण निम्नलिखित है-

- परीक्षा की नवीनतम प्रवृत्ति के अनुसार प्रश्नपत्रों का डिज़ाइन तैयार किया गया है।
- प्रत्येक टेस्ट के पश्चात् विस्तृत उत्तर पुस्तिका उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्य परीक्षा के मॉडल उत्तरों में हम शब्द सीमा का विशेष ध्यान रखते हैं। मुख्य परीक्षा के इन मॉडल उत्तरों के साथ हम प्रश्न विच्छेद (यदि आवश्यक हो) हल करने का दृष्टिकोण, उत्तर से संबंधित अतिरिक्त सूचना तथा संदर्भ भी उपलब्ध कराते हैं ताकि प्रत्येक टेस्ट के पश्चात् अभ्यर्थियों के उत्तर लेखन कौशल में गुणात्मक वृद्धि हो जोकि हमारा प्रमुख ध्येय है।
- उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन विषय विशेषज्ञ तथा चयनित उम्मीदवारों के द्वारा विस्तृत समीक्षा के साथ कराया जाता है। समर्पित विशेषज्ञ दल के सदस्य जाँची गई उत्तर पुस्तिकाओं का पुनरीक्षण करते हैं।
- प्रारंभिक परीक्षा टेस्ट से संबंधित विद्यार्थी अपने प्रदर्शन की विस्तृत रिपोर्ट दृष्टि के मोबाइल एप पर भी देख सकते हैं। जिसमें स्कोर कार्ड, रैंक, टाइम मैनेजमेंट, कम्पेयर योर सेल्फ, डिफिकल्टी इत्यादि सेक्शन पर जाकर अभ्यर्थी अपने प्रदर्शन का विश्लेषण कर सकते हैं।
- प्रारंभिक परीक्षा टेस्ट के विद्यार्थी दृष्टि मोबाइल एप पर उस टेस्ट के परिचर्चा वीडियो (Discussion Video) को भी देख सकते हैं। जिसमें प्रश्न हल करने की तकनीक, प्रश्न से संबंधित अन्य महत्त्वपूर्ण तथ्य तथा अवधारणाएँ आपको उस प्रश्न के सही उत्तर के साथ बताई जाएंगी।
- परीक्षार्थियों की सुविधानुसार प्रारंभिक परीक्षा टेस्ट कार्यक्रम क्लास रूम एवं ऑनलाइन तथा मुख्य परीक्षा टेस्ट कार्यक्रम क्लासेस, ऑनलाइन व पोस्टल पद्धति द्वारा उपलब्ध होंगे।
- विद्यार्थियों को बेहतर दिशानिर्देश प्रदान करने के लिये प्रत्येक प्रश्नपत्र हेतु टेस्ट केन्द्र पर समर्पित विशेषज्ञ दल द्वारा आपकी शंकाओं का निवारण प्रत्यक्ष रूप से किया जाता है। साथ ही, यह सुविधा टेलीफोन और ई-मेल द्वारा भी उपलब्ध है।
- प्रत्येक जाँच परीक्षा के पश्चात् अखिल भारतीय रैंकिंग आपके प्रदर्शन के मूल्यांकन में भी सहायक होगी।

नोट: यू.पी.पी.सी.एस की परीक्षा के लिये भी अलग से टेस्ट सीरीज़ आयोजित की जाएगी।

यू.पी.पी.सी.एस. परीक्षा

प्रारंभिक परीक्षा पाठ्यक्रम

सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र-I (General Studies Paper-I)

1. **राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की सामयिक घटनाएँ :** राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की समसामयिक घटनाओं पर अभ्यर्थियों को जानकारी रखनी होगी।
2. **भारत का इतिहास एवं भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन :** इतिहास के अंतर्गत भारतीय इतिहास के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक पक्षों की व्यापक जानकारी पर विशेष ध्यान देना होगा। भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन पर अभ्यर्थियों से स्वतंत्रता आंदोलन की प्रकृति तथा विशेषता, राष्ट्रवाद का अभ्युदय तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के बारे में सामान्य जानकारी अपेक्षित है।
3. **भारत एवं विश्व का भूगोल :** भारत एवं विश्व का भौतिक, सामाजिक, आर्थिक भूगोल : विश्व भूगोल में विषय की केवल सामान्य जानकारी की परख होगी। भारत का भूगोल के अंतर्गत देश के भौतिक, सामाजिक एवं आर्थिक भूगोल से संबंधित प्रश्न होंगे।

4. **भारतीय राजनीति एवं शासन- संविधान, राजनीतिक व्यवस्था, पंचायती राज, लोकनीति, आधिकारिक प्रकरण आदि:** भारतीय राज्य व्यवस्था, अर्थव्यवस्था एवं संस्कृति के अंतर्गत देश के पंचायती राज तथा सामुदायिक विकास सहित राजनीतिक प्रणाली के ज्ञान तथा भारत की आर्थिक नीति के व्यापक लक्षणों एवं भारतीय संस्कृति की जानकारी पर प्रश्न होंगे।
5. **आर्थिक एवं सामाजिक विकास- सतत् विकास, गरीबी अंतर्विष्ट जनसांख्यिकीय, सामाजिक क्षेत्र के इनिशियेटिव आदि:** अभ्यर्थियों की जानकारी का परीक्षण जनसंख्या, पर्यावरण तथा नगरीकरण की समस्याओं तथा उनके संबंधों के परिप्रेक्ष्य में किया जाएगा।
6. **पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी संबंधी सामान्य विषय, जैव विविध ता एवं जलवायु परिवर्तन:** इस विषय में विषय विशेषज्ञता की आवश्यकता नहीं है। अभ्यर्थियों से विषय की सामान्य जानकारी अपेक्षित है।
7. **सामान्य विज्ञान:** सामान्य विज्ञान के प्रश्न दैनिक अनुभव तथा प्रेक्षण से संबंधित विषयों सहित विज्ञान के सामान्य परिबोध एवं जानकारी पर आधारित होंगे, जिसकी किसी भी सुशिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है, जिसने वैज्ञानिक विषयों का विशेष अध्ययन नहीं किया है।

नोट: अभ्यर्थियों से यह अपेक्षित होगा कि उत्तर प्रदेश के विशेष परिप्रेक्ष्य में उपर्युक्त विषयों का उन्हें सामान्य परिचय हो।

मुख्य परीक्षा पाठ्यक्रम

निबंध (Essay)

निबंध हिंदी, अंग्रेजी अथवा उर्दू में लिखे जा सकते हैं।

निबंध के प्रश्न-पत्र में 3 खंड होंगे। प्रत्येक खंड से एक-एक विषय पर 700 (सात सौ) शब्दों मे निबंध लिखना होगा। प्रत्येक खंड 50-50 अंकों का होगा। तीनों खंडों में निम्नलिखित विषयों पर आधारित निबंध के प्रश्न होंगे।

खंड (क)	खंड (ख)	खंड (ग)
1. साहित्य और संस्कृति	1. विज्ञान पर्यावरण और प्रौद्योगिकी	1. राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम
2. सामाजिक क्षेत्र	2. आर्थिक क्षेत्र	2. प्राकृतिक आपदाएँ भू-स्खलन भूकंप, बाढ़, सूखा आदि।
3. राजनीतिक क्षेत्र	3. कृषि उद्योग एवं व्यापार	3. राष्ट्रीय विकास योजनाएँ एवं परियोजनाएँ

सामान्य अध्ययन-I

1. भारतीय संस्कृति के इतिहास में प्राचीन काल से आधुनिक काल तक कला प्रारूप, साहित्य एवं वास्तुकला के महत्त्वपूर्ण पहलू शामिल होंगे।
2. आधुनिक भारतीय इतिहास (1757 ई. से 1947 ई. तक)- महत्त्वपूर्ण घटनाएँ, व्यक्तित्व एवं समस्याएँ इत्यादि।
3. स्वतंत्रता संग्राम- इसके विभिन्न चरण और देश के विभिन्न भागों से इसमें अपना योगदान देने वाले महत्त्वपूर्ण व्यक्ति/उनका योगदान।
4. स्वतंत्रता के पश्चात् देश के अंदर एकीकरण और पुनर्गठन (1965 ई. तक)।
5. विश्व के इतिहास में 18वीं सदी से बीसवीं सदी के मध्य तक की घटनाएँ जैसे फ्रांसीसी क्रांति 1789, औद्योगिक क्रांति, विश्व युद्ध, राष्ट्रीय सीमाओं का पुन: सीमांकन, उपनिवेशवाद, उपनिवेशवाद की समाप्ति, राजनीतिक दर्शन शास्त्र जैसे साम्यवाद, पूँजीवाद, समाजवाद, नाजीवाद, फासीवाद इत्यादि के रूप और समाज पर उनके प्रभाव इत्यादि शामिल होंगे।
6. भारतीय समाज और संस्कृति की मुख्य विशेषताएँ।
7. महिलाओं की समाज और महिला-संगठनों में भूमिका, जनसंख्या तथा संबद्ध समस्याएँ, गरीबी और विकासात्मक विषय, शहरीकरण, उनकी समस्याएँ और उनके रक्षोपाय।
8. उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण का अभिप्राय और उनका भारतीय समाज के अर्थव्यवस्था, राज्यव्यवस्था और समाज संरचना पर प्रभाव।
9. सामाजिक सशक्तीकरण, सांप्रदायिकता, क्षेत्रवाद और धर्मनिरपेक्षता।
10. विश्व के प्रमुख प्राकृतिक संसाधनों का वितरण- जल मिट्टियों एवं वन, दक्षिण एवं दक्षिण पूर्व एशिया में (भारत के विशेष संदर्भ में)।
11. भौतिक भूगोल की प्रमुख विशिष्टताएँ- भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी क्रियाएँ, चक्रवात, समुद्री जल धाराएँ, पवन एवं हिम सरिताएँ।
12. भारत के सामुद्रिक संसाधन एवं उनकी संभाव्यता।
13. मानव प्रवास- विश्व की शरणार्थी समस्या - भारत उपमहाद्वीप के संदर्भ में।
14. सीमांत तथा सीमाएँ- भारत उप-महाद्वीप के संदर्भ में।
15. जनसंख्या एवं अधिवास- प्रकार एवं प्रतिरूप, नगरीकरण, स्मार्ट नगर एवं स्मार्ट ग्राम।
16. उत्तर प्रदेश का विशेष ज्ञान- इतिहास, संस्कृति, कला साहित्य, वास्तुकला, त्योहार, लोक-नृत्य साहित्य, प्रादेशिक भाषाएँ, धारोहरें, सामाजिक रीति-रिवाज एवं पर्यटन।
17. उत्तर प्रदेश का विशेष ज्ञान-भूगोल-मानव एवं प्राकृतिक संसाधन जलवायु, मिट्टियाँ, वन, वन्य-जीव, खदान और खनिज, सिंचाई के स्रोत।

राज्य व संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं की दृष्टि से 'दृष्टि करेंट अफेयर्स टुडे' पत्रिका मुझे बहुत उपयोगी लगी। यह पत्रिका समसामयिक घटनाक्रम के विषयों में आपकी समझ बढ़ाने के साथ ही साथ उस विषय पर बहुआयामी दृष्टिकोण का सृजन करती है। इस पत्रिका का निबंध व मॉक इंटरव्यू खण्ड तमाम डाउट्स को क्लियर करने में सहायक है।

-विवेक यादव (UPPCS, 1st Rank)

हिन्दी साहित्य के लिये आदरणीय विकास दिव्यकीर्ति सर द्वारा क्लास में अवधारणा समझाना और उत्तर की रूपरेखा तैयार करवाना अद्वितीय है। मैं 'दृष्टि करेंट अफेयर्स टुडे' का नियमित पाठक रहा हूँ; न सिर्फ समसामयिकी बल्कि विशेष विषयों पर सारगर्भित जानकारी के लिये भी। निबंध हेतु उद्धरण मेरे लिये उपयोगी रहे। इस परीक्षा हेतु मेरी नज़र में यह सर्वोत्कृष्ट पत्रिका है।

-आशीष कुमार पाण्डेय (MPPSC 2013 में प्रथम स्थान पर चयनित)

सामान्य अध्ययन-II

1. भारतीय संविधान- ऐतिहासिक आधार, विकास, विशेषताएँ, संशोधन, महत्त्वपूर्ण प्रावधान तथा आधारभूत संरचना। संविधान के आधारभूत प्रावधानों के विकास में उच्चतम न्यायालय की भूमिका।
2. संघ एवं राज्यों के कार्य तथा उत्तरदायित्व, संघीय ढाँचे से संबंधित विषय एवं चुनौतियाँ, स्थानीय स्तर पर शक्तियों और वित्त का हस्तांतरण और उसकी चुनौतियाँ।
3. केंद्र-राज्य वित्तीय संबंधों में वित्त आयोग की भूमिका।
4. शक्तियों का पृथक्करण, विवाद निवारण तंत्र तथा संस्थाएँ। वैकल्पिक विवाद निवारण तंत्र के उदय एवं उनका प्रयोग।
5. भारतीय संवैधानिक योजना की अन्य प्रमुख लोकतांत्रिक देशों के साथ तुलना।
6. संसद और राज्य की विधायिका- संरचना, कार्य, कार्य-संचालन, शक्तियाँ एवं विशेषाधिकार तथा संबंधित विषय।
7. कार्यपालिका और न्यायापालिका की संरचना, संगठन और कार्य- सरकार के मंत्रालय एवं विभाग, प्रभावक समूह और औपचारिक/ अनौपचारिक संघ तथा शासन प्रणाली में उनकी भूमिका। जनहित वाद (पी.आई.एल.)।
8. जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की मुख्य विशेषताएँ।
9. विभिन्न संवैधानिक पदों पर नियुक्ति, शक्तियाँ, कार्य तथा उनके उत्तरदायित्व।
10. सांविधिक, विनियामक और विभिन्न अर्थ-न्यायिक निकाय, नीति आयोग समेत- उनकी विशेषताएँ एवं कार्यभाग।
11. सरकारी नीतियों और विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिये हस्तक्षेप, उनके अभिकल्पन तथा कार्यान्वयन के कारण उत्पन्न विषय एवं सूचना संचार प्रौद्योगिकी (आई.सी.टी.)।
12. विकास प्रक्रियाएँ- गैर सरकारी संगठनों की भूमिका, स्वयं सहायता समूह, विभिन्न समूह एवं संघ अभिदाता सहायतार्थ संस्थाएँ, संस्थागत एवं अन्य अंशधारक।
13. केंद्र एवं राज्यों द्वारा जनसंख्या के अति संवेदनशील वर्गों के लिये कल्याणकारी योजनाएँ और इन योजनाओं का कार्य-निष्पादन, इन अति संवेदनशील वर्गों की रक्षा एवं बेहतरी के लिये गठित तंत्र, विधि, संस्थान एवं निकाय।
14. स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधानों से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास एवं प्रबंधन से संबंधित विषय।
15. गरीबी और भूख से संबंधित विषय एवं राजनीतिक व्यवस्था के लिये इनका निहितार्थ।
16. शासन व्यवस्था, पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्त्वपूर्ण पक्ष, ई-गवर्नेंस-अनुप्रयोग, मॉडल, सफलताएँ, सीमाएँ और संभावनाएँ, नागरिक चार्टर, पारदर्शिता एवं जवाबदेही और संस्थागत व अन्य उपाय।
17. लोकतंत्र में उभरती हुई प्रवृत्तियों के संदर्भ में सिविल सेवाओं की भूमिका।
18. भारत एवं अपने पड़ोसी देशों से उसके संबंध।
19. द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और भारत से संबंधित और/अथवा भारत के हितों को प्रभावित करने वाले करार।
20. भारत के हितों एवं अप्रवासी भारतीयों पर विकसित तथा विकासशील देशों की नीतियों तथा राजनीति का प्रभाव।
21. महत्त्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, संस्थाएँ और मंच- उनकी संरचना, अधिदेश तथा उनका कार्यभाग।
22. उत्तर प्रदेश के राजनीतिक, प्रशासनिक, राजस्व एवं न्यायिक व्यवस्थाओं की विशिष्ट जानकारी।
23. क्षेत्रीय, प्रांतीय, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व के समसामयिक घटनाक्रम।

सामान्य अध्ययन-III

1. भारत में आर्थिक नियोजन, उद्देश्य एवं उपलब्धियाँ, नीति (एन.आई.टी.आई) आयोग की भूमिका।
2. गरीबी के मुद्दे, बेरोजगारी, सामाजिक न्याय एवं समावेशी संवृद्धि।
3. सरकार के बजट के अवयव तथा वित्तीय प्रणाली।
4. प्रमुख फसलें, विभिन्न प्रकार की सिंचाई विधि एवं सिंचाई प्रणाली, कृषि उत्पादन का भंडारण, ढुलाई एवं विपणन, किसानों की सहायता हेतु ई-तकनीकी।
5. अप्रत्यक्ष एवं प्रत्यक्ष कृषि सहायकी तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य से जुड़े मुद्दे, सार्वजनिक वितरण प्रणाली-उद्देश्य, क्रियान्वयन, परिसीमाएँ, सुदृढ़ीकरण खाद्य सुरक्षा एवं बफर भंडार कृषि संबंधित तकनीकी अभियान टेक्नालॉजी मिशन।
6. भारत में खाद्य, प्रसंस्करण व संबंधित उद्योग- कार्यक्षेत्र एवं महत्त्व, स्थान निर्धारण, उर्ध्व व अधोप्रवाह आवश्यकताएँ, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन।
7. भारत में स्वतंत्रता के पश्चात् भूमि सुधार।
8. भारत में वैश्वीकरण तथा उदारीकरण के प्रभाव, औद्योगिक नीति में परिवर्तन तथा इनके औद्योगिक संवृद्धि पर प्रभाव।
9. आधारभूत संरचना ऊर्जा, बंदरगाह सड़क, विमानपत्तन तथा रेलवे आदि।
10. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी-विकास एवं अनुप्रयोग (दैनिक जीवन एवं राष्ट्रीय सुरक्षा में, भारत की विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति)।
11. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियाँ, प्रौद्योगिकी का देशजीकरण। नवीन प्रौद्योगिकियों का विकास, प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण, द्विअनुप्रयोग एवं क्रांतिक अनुप्रयोग प्रौद्योगिकियाँ।
12. सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, कंप्यूटर ऊर्जा स्रोतों, नैनो प्रौद्योगिकी सूक्ष्म जीव विज्ञान जीव प्रौद्यागिकी क्षेत्र में जागरूकता। बौद्धिक संपदा अधिकारों एवं डिजिटल अधिकारों से संबंधित मुद्दे।

मुख्य व प्रारंभिक परीक्षा के दृष्टिकोण से 'दृष्टि करेंट अफेयर्स टुडे' मुझे बहुत उपयोगी लगी। पत्रिका के लेख, निबंध व एथिक्स खण्ड परीक्षार्थियों के लिये निश्चित रूप से बहुत लाभदायक सिद्ध होंगे।

-आदित्य प्रजापति (UPPCS, 2nd Rank)

13. पर्यावरणीय सुरक्षा एवं पारिस्थितिकी तंत्र, वन्य जीवन संरक्षण, जैव विविधता, पर्यावरणीय प्रदूषण एवं क्षरण, पर्यावरणीय संघात आकलन।
14. आपदा: गैर-पारंपरिक सुरक्षा एवं सुरक्षा की चुनौती के रूप में, आपदा उपशमन एवं प्रबंधन।
15. अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियाँ- आणविक प्रसार के मुद्दे, अतिवाद के कारण तथा प्रसार, संचार तंत्र, मीडिया की भूमिका तथा सामाजिक तंत्रीयता, साइबर सुरक्षा के आधार, मनी लाउंडरिंग तथा मानव तस्करी।
16. भारत की आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियाँ- आतंकवाद, भ्रष्टाचार, प्रतिविद्रोह तथा संगठित अपराध।
17. सुरक्षा बलों की भूमिका, प्रकार तथा शासनाधिकार, भारत का उच्च रक्षा संगठन।
18. उत्तर प्रदेश के आर्थिक परिदृश्य का विशिष्ट ज्ञान- उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था का सामान्य विवरण, राज्य के बजट। कृषि, उद्योग, आधारभूत संरचना एवं भौतिक संसाधनों का महत्त्व। मानव संसाधन एवं कौशल विकास, सरकार के कार्यक्रम एवं कल्याणकारी योजनाएँ।
19. कृषि, बागवानी, वानिकी एवं पशुपालन के मुद्दे।
20. उत्तर प्रदेश के विशेष संदर्भ में कानून एवं व्यवस्था और नागरिक सुरक्षा।

सामान्य अध्ययन-IV

- **नीतिशास्त्र तथा मानवीय अंत:संबंध:** मानवीय क्रियाकलापों में नीतिशास्त्र का सारतत्त्व, इसके निर्धारक और परिणाम: नीतिशास्त्र के आयाम, निजी और सार्वजनिक संबंधों में नीतिशास्त्र।
- **अभिवृत्ति:** अंतर्वस्तु (कंटेंट), संरचना, कार्य, विचार तथा आचरण के परिप्रेक्ष्य में इसका प्रभाव एवं संबंध, नैतिक और राजनीतिक अभिरुचि, सामाजिक प्रभाव और सहमति पैदा करना।
- सिविल सेवा के लिये अभिरुचि तथा बुनियादी मूल्य, सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता तथा गैर-तरफदारी, वस्तुनिष्ठता, सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण भाव, कमजोर वर्गों के प्रति सहानुभूति, सहिष्णुता तथा करुणा।
- **संवेगात्मक बुद्धि:** अवधारणाएँ तथा आयाम, प्रशासन और शासन व्यवस्था में उनकी उपयोगिता और प्रयोग।
- भारत तथा विश्व के नैतिक विचारकों तथा दार्शनिकों का योगदान।
- **लोक प्रशासनों में लोक/सिविल सेवा मूल्य तथा नीतिशास्त्र:** स्थिति तथा समस्याएँ, सरकारी तथा निजी संस्थानों में नैतिक सरोकार तथा दुविधाएँ, नैतिक मार्गदर्शन के स्रोतों के रूप में विधि, नियम, नियमन तथा अंतरात्मा, जवाबदेही तथा नैतिक शासन व्यवस्था में नैतिक मूल्यों का सुदृढ़ीकरण, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों तथा निधि व्यवस्था (फंडिंग) में नैतिक मुद्दे, कॉर्पोरेट शासन व्यवस्था।
- **शासन व्यवस्था में ईमानदारी:** लोक सेवा की अवधारणा, शासन व्यवस्था और ईमानदारी का दार्शनिक आधार, सरकार में सूचना का आदान-प्रदान और पारदर्शिता, सूचना का अधिकार, नीतिपरक आचार संहिता, आचरण संहिता, नागरिक घोषणा पत्र, कार्य संस्कृति, सेवा प्रदान करने की गुणवत्ता, लोक-निधि का उपयोग, भ्रष्टाचार की चुनौतियाँ।
- उपर्युक्त विषयों पर मामला संबंधी अध्ययन (केस स्टडी)।

यू.पी.पी.सी.एस. परीक्षा की रणनीति

यू.पी.पी.सी.एस परीक्षा में सफलता सुनिश्चित करने के लिये उसकी प्रकृति के अनुरूप उचित एवं गतिशील रणनीति बनाने की आवश्यकता है। सामान्यत: अभ्यर्थियों के समक्ष सबसे बड़ी समस्या यह रहती है कि वे UPSC की तैयारी के साथ PCS की तैयारी किस प्रकार करें?

हालाँकि, वर्ष 2018 में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा अपने मुख्य परीक्षा के पाठ्यक्रम में बदलाव करके उसे लगभग UPSC के समान ही बना दिया गया है। अत: इस बदलाव के बाद अब आई.ए.एस. की परीक्षा के साथ पी.सी.एस. की तैयारी करना आसान हो गया है। हमने भी अपने कक्षा कार्यक्रम को कुछ इस तरह से डिज़ाइन किया है कि UPSC के साथ-साथ UPPCS की तैयारी साथ-साथ हो सके। इसके अतिरिक्त हम अपने कक्षा कार्यक्रम में उन मुद्दों को भी शामिल करेंगे जो केवल UPPCS के पाठ्यक्रम में हैं। इसमें विभिन्न प्रश्नपत्रों में शामिल उत्तर प्रदेश विशेष (UP Special) से संबंधित टॉपिक समाहित होंगे। **उदाहरणस्वरूप नीचे हम उन टॉपिक्स की सूची दे रहे हैं जो UPPCS के पाठ्यक्रम में UPSC के पाठ्यक्रम से अतिरिक्त हैं।**

सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र-1

1. उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण का अभिप्राय और उनका भारतीय समाज के अर्थव्यवस्था, राज्यव्यवस्था और समाज संरचना पर प्रभाव।
2. भारत के सामुद्रिक संसाधन एवं उनकी संभाव्यता।
3. मानव प्रवास, विश्व की शरणार्थी समस्या-भारत-उपमहाद्वीप के संदर्भ में।
4. सीमान्त तथा सीमाएँ- भारत उप-महाद्वीप के संदर्भ में।
5. जनसंख्या एवं अधिवास- प्रकार एवं प्रतिरूप, नगरीकरण, स्मार्ट नगर एवं स्मार्ट ग्राम।
6. उत्तर प्रदेश का विशेष ज्ञान- इतिहास, संस्कृति, कला, साहित्य, वास्तुकला, त्योहार, लोक-नृत्य, साहित्य, प्रादेशिक भाषाएँ, धरोहरें, सामाजिक रीति-रिवाज एवं पर्यटन।
7. उत्तर प्रदेश का विशेष ज्ञान- भूगोल-मानव एवं प्राकृतिक संसाधन, जलवायु, मिट्टियाँ, वन, वन्य-जीव, खदान और खनिज, सिंचाई के स्रोत।

सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र-2

1. केन्द्र-राज्य वित्तीय सम्बन्धों में वित्त आयोग की भूमिका।
2. कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्य- सरकार के मंत्रालय एवं विभाग, प्रभावक समूह और औपचारिक/अनौपचारिक संघ तथा शासन प्रणाली में उनकी भूमिका। जनहित वाद (पी.आई.एल.)।
3. सांविधिक, विनियामक और विभिन्न अर्ध-न्यायिक निकाय, नीति आयोग समेत- उनकी विशेषताएँ एवं कार्यभाग।
4. भारतीय संविधान- ऐतिहासिक आधार, विकास, विशेषताएँ, संशोधन, महत्त्वपूर्ण प्रावधान तथा आधारभूत संरचना। संविधान के आधारभूत प्रावधानों के विकास में उच्चतम न्यायालय की भूमिका।

5. उत्तर प्रदेश के राजनैतिक, प्रशासनिक, राजस्व एवं न्यायिक व्यवस्थाओं की विशिष्ट जानकारी।
6. क्षेत्रीय, प्रान्तीय, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय महत्त्व के समसामयिक घटनाक्रम।

सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र-3

1. भारत में आर्थिक नियोजन, उद्देश्य एवं उपलब्धियाँ, नीति (एन.आई.टी.आई.) आयोग की भूमिका।
2. गरीबी के मुद्दे, बेरोज़गारी, सामाजिक न्याय एवं समावेशी संवृद्धि।
3. विज्ञान एवं प्रौद्यागिकी-विकास एवं अनुप्रयोग (दैनिक जीवन एवं राष्ट्रीय सुरक्षा में, भारत की विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति)।
4. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियाँ; प्रौद्योगिकी का देशजीकरण। नवीन प्रौद्योगिकियों का विकास, प्रौद्योगिकी का हस्तान्तरण, द्विअनुप्रयोगी एवं क्रान्तिक अनुप्रयोग प्रौद्योगिकियाँ।
5. जैव विविधता, पारिस्थितिकी तंत्र।
6. अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियाँ: आणविक प्रसार के मुद्दे, अतिवाद के कारण तथा प्रसार, संचार तंत्र, मीडिया की भूमिका तथा सामाजिक तन्त्रीयता, साइबर सुरक्षा के आधार, मनी लाउन्डरिंग तथा मानव तस्करी।
7. उत्तर प्रदेश के आर्थिक परिदृष्य का विशिष्ट ज्ञान: उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था का सामान्य विवरण, राज्य के बजट। कृषि, उद्योग, आधारभूत संरचना एवं भौतिक संसाधनों का महत्त्व। मानव संसाधन एवं कौशल विकास, सरकार के कार्यक्रम एवं कल्याणकारी योजनाएँ।
8. कृषि, बागवानी, वानिकी एवं पशुपालन के मुद्दे।
9. उत्तर प्रदेश के विशेष संदर्भ में कानून एवं व्यवस्था और नागरिक सुरक्षा।

सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र-4

यह प्रश्नपत्र पूर्णरूप से UPSC के सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र-4 (नीतिशास्त्र) के पाठ्यक्रम पर आधारित है।

सामान्यतः पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)

सामान्य अध्ययन तथा सिविल सेवा परीक्षा के संबंध में कुछ ऐसे प्रश्न हैं जो प्राय: हर उम्मीदवार द्वारा पूछे जाते हैं। विद्यार्थियों की सुविधा के लिये ऐसे प्रश्नों के उत्तर यहाँ दिये जा रहे हैं-

1. सामान्य अध्ययन की तैयारी कब शुरू कर देनी चाहिये? शुरुआत में कौन-सी पुस्तकें पढ़नी चाहियें?

नए पाठ्यक्रम की प्रकृति ऐसी है कि स्नातक स्तर के दौरान ही तैयारी शुरू कर देनी चाहिये, हालाँकि अगर किसी ने उस समय तैयारी नहीं की है तो भी घबराने की आवश्यकता नहीं है।

आरंभिक स्तर पर एन.सी.ई.आर.टी. की पुस्तकों को पढ़ा जा सकता है लेकिन यह अनिवार्य नहीं है। अगर आपके पास प्रारंभिक परीक्षा के लिये कम समय बचा है तो उसमें यह व्यावहारिक रूप से उचित नहीं है कि आप कक्षा 6 से 12 तक की एन.सी.ई.आर.टी. को पढ़ें। यहाँ पर विशेष रूप से कहना चाहते हैं कि हम एन.सी.ई.आर.टी. के महत्त्व को खारिज नहीं कर रहे हैं। हम बस आपको यह बताना चाहते हैं कि कक्षा 6 से 12 तक की एन.सी.ई.आर.टी. को कम समय में तैयार करने के और भी वैकल्पिक तथा कारगर तरीके हैं। अगर आप दृष्टि के विद्यार्थी हैं तो आप केवल हमारे क्लास नोट्स को पढ़ें ये पूरी तरह एन.सी.ई.आर.टी. को कवर करते हैं इसके बाद आप दृष्टि पब्लिकेशन्स द्वारा विभिन्न विषयों पर प्रकाशित 7 क्विक बुक शृंखला को पढ़ जाएँ। किसी भी विषय में क्लास नोट्स एवं उस विषय की क्विक बुक को खत्म करने के पश्चात् अपनी तैयारी को परखने के लिये आप दृष्टि की वेबसाइट पर जाइये वहाँ पर एन.सी.ई.आर.टी. टैब तथा प्रारंभिक परीक्षा टैब में जाकर प्रश्नों को हल करके आप अपनी तैयारी का मूल्यांकन कर सकते हैं।

2. प्रारंभिक तथा मुख्य परीक्षा के सामान्य अध्ययन के लिये कौन-सी पुस्तकें पढ़नी चाहियें?

अगर आप 'दृष्टि' के सामान्य अध्ययन (प्रारंभिक तथा मुख्य परीक्षा) कार्यक्रम में शामिल हैं या होने वाले हैं तो संभवत: आपको एक भी पुस्तक की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। हम कोशिश करते हैं कि अपने विद्यार्थियों को इतनी पाठ्य-सामग्री दे दें कि उन्हें पुस्तकों पर निर्भर न रहना पड़े।

अगर आप दृष्टि के विद्यार्थी नहीं हैं तो निम्नलिखित पुस्तकों से अध्ययन करना उपयुक्त होगा।

दृष्टि पब्लिकेशन्स की 'Quick Book' शृंखला की लोकप्रिय पुस्तकें-

- भारतीय इतिहास एवं राष्ट्रीय आंदोलन
- भारत एवं विश्व का भूगोल
- भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था
- पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी
- भारतीय अर्थव्यवस्था
- सामान्य विज्ञान
- कला एवं संस्कृति

हमारी एन.सी.ई.आर.टी. शृंखला की पुस्तकें-

- भारतीय इतिहास (NCERT Through Questions)
- भारत एवं विश्व का भूगोल (NCERT Through Questions)
- सामान्य विज्ञान (NCERT Through Questions)

दृष्टि पब्लिकेशन्स की अन्य पुस्तकें-

- सामान्य ज्ञान
- निबंध-दृष्टि
- भारत : सार संग्रह
- आर्थिक परिदृश्य
- टू द पॉइंट
- मेन्स कैप्सूल
- करेंट अफेयर्स टुडे 'वार्षिकी'
- आई.ए.एस. प्रीलिम्स सॉल्व्ड पेपर्स
- आई.ए.एस. मेन्स सॉल्व्ड पेपर्स
- द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग
- यू.जी.सी. नेट/जेआरएफ/स्लेट
- विश्व इतिहास
- तर्कशक्ति (Reasoning) इत्यादि।

इसके अतिरिक्त विषयों के लिये आप निम्न पुस्तकों का लाभ उठा सकते हैं-

भारतीय समाज	–	राम आहूजा
सामाजिक समस्याएँ	–	राम आहूजा
अंतर्राष्ट्रीय संबंध	–	तपन बिस्वाल

इन पुस्तकों के अलावा भूगोल के लिये 'ऑक्सफोर्ड तथा ओरिएंट लांगमैन एटलस'; अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों के लिये 'वर्ल्ड फोकस', 'फ्रंटलाइन' तथा 'द हिंदू'; विज्ञान; और समसामयिक घटनाक्रम के खंडों के लिये 'दृष्टि करेंट अफेयर्स टुडे' को अवश्य देखें।

3. सामान्य अध्ययन की तैयारी के लिये कौन-से अखबार तथा पत्रिकाएँ पढ़ना बेहतर होगा?

सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी की दृष्टि से हिंदी में 'दैनिक जागरण' राष्ट्रीय संस्करण ठीक अखबार है। चाहें तो 'जनसत्ता' भी पढ़ सकते हैं, पर सरकार विरोधी राय को अपने ऊपर हावी न होने दें, संतुलित राय बनाने की कोशिश करें। अगर आपकी अंग्रेज़ी अच्छी है तो 'द हिंदू' के लेख पढ़ना अच्छा होगा; पर अगर आप उन्हें न पढ़ पाते हों तो ज़्यादा तनाव न लें।

पत्रिकाओं में आप 'दृष्टि करेंट अफेयर्स टुडे' को पढ़ें। सिविल सेवा एवं विभिन्न राज्यों की पी.सी.एस. परीक्षा (प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा तथा साक्षात्कार) के सामान्य अध्ययन एवं निबंध प्रश्न-पत्र के समसामयिक पक्ष के लिये यह एक संपूर्ण पत्रिका है।

4. सामान्य अध्ययन की तैयारी के लिये इंटरनेट का फायदा कैसे लिया जा सकता है?

कुछ सरकारी वेबसाइटों (विशेषत: भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों) पर हिन्दी में अद्यतन (updated) सामग्री मिल जाती है जिसे निरंतर देखते रहना चाहिये। इसके अलावा आपको दृष्टि की वेबसाइट www.drishtiias.com पर भी नियमित रूप से जाना चाहिये जहाँ पर PIB तथा अंग्रेज़ी भाषा के प्रमुख समाचार पत्रों जैसे- द हिन्दू, इंडियन एक्सप्रेस इत्यादि के समाचारों एवं आर्टिकल का प्रतिदिन हिन्दी में सरल और बिन्दुवार तरीके से विश्लेषण दिया जाता है। इसके अलावा इस साइट पर सामान्य अध्ययन के प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा से संबंधित प्रश्न भी प्रतिदिन अपलोड किये जाते हैं। ऑडियो/विडियो के माध्यम से आपकी तैयारी को संपूर्ण बनाने के लिये दृष्टि ने यू-ट्यूब चैनल भी प्रारंभ किया है जिसमें ऑडियो आर्टिकल, टू द पॉइंट, कॉन्सेप्ट टॉक, टॉपर्स व्यू, स्ट्रैटजी इत्यादि कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। ध्यान रखें कि इंटरनेट पर सटीक सामग्री ढूंढना आसान नहीं होता। साथ ही, इंटरनेट का प्रयोग करते समय ध्यान भटकने की पर्याप्त आशंका होती है। इसलिये, उसका प्रयोग अनुशासन के साथ करेंगे तो बेहतर होगा।

5. क्या सामान्य अध्ययन के नए पाठ्यक्रम की तैयारी अपने आप की जा सकती है? अगर हाँ तो कैसे?

जी हाँ, यह मुश्किल तो है पर असंभव नहीं। अगर आप विभिन्न खंडों में निहित अवधारणाएँ अपने आप समझ सकते हैं, समसामयिक तथ्यों को उनसे जोड़ सकते हैं, अंग्रेज़ी में उपलब्ध सामग्री को समझकर हिंदी में प्रस्तुत कर सकते हैं और इंटरनेट से उपयुक्त सामग्री खोज सकते हैं तो डेढ़ से दो वर्ष की अवधि में आप सामान्य अध्ययन की तैयारी अपने स्तर पर कर सकते हैं।

6. सामान्य अध्ययन (मुख्य परीक्षा) में हिंदी माध्यम के उम्मीदवार किस प्रकार अच्छे अंक ला सकते हैं? क्या कोई ऐसा तरीका है कि वे सामान्य अध्ययन में अंग्रेज़ी माध्यम के उम्मीदवारों से न पिछड़ें?

सामान्य अध्ययन के प्रश्नपत्र में हिन्दी माध्यम के अभ्यर्थी उचित रणनीति के साथ सही दिशा में की गई तैयारी तथा नियमित उत्तर लेखन अभ्यास से अच्छे अंक ला सकते हैं। सामान्य अध्ययन में अच्छे अंक लाने के लिये आवश्यक है कि अभ्यर्थी सामान्य अध्ययन के पाठ्यक्रम को अच्छी तरह से समझ ले। इसके बाद अभ्यर्थी सामान्य अध्ययन के स्टैटिक भाग जैसे इतिहास, कला संस्कृति, संविधान, भूगोल इत्यादि खंडों को बताई गई पाठ्य सामग्री से गंभीरतापूर्वक अध्ययन करें। स्टैटिक भाग के पश्चात् अभ्यर्थी सामान्य अध्ययन के डायनमिक भाग जैसे अंतर्राष्ट्रीय संबंध, अर्थव्यवस्था, आंतरिक सुरक्षा, शासन प्रणाली इत्यादि खंडों की संकल्पनाओं को बताई गई स्तरीय सामग्री से समझकर इसे समाचार पत्रों, Drishtiias वेबसाइट एवं दृष्टि यू ट्यूब चैनल पर उपलब्ध सामग्री से नियमित रूप से अपडेट करते रहे। एथिक्स के पेपर के लिये दृष्टि के नोट्स एवं द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग की रिपोर्ट पढ़ें एवं केस स्टडीज़ का नियमित अभ्यास करें। हिन्दी माध्यम के कई अभ्यर्थियों ने बताई गयी रणनीति से सामान्य अध्ययन में शानदार अंक प्राप्त किये हैं।

7. नए पाठ्यक्रम के बाद इस परीक्षा की तैयारी के लिये किसी नए उम्मीदवार को कुल कितना समय चाहिये?

नए पाठ्यक्रम से अगर सामान्य अध्ययन का बोझ बढ़ा है तो एक वैकल्पिक विषय का बोझ कम भी हुआ है। कुल मिलाकर, अभी भी उतना ही समय चाहिये जितना पहले लगता था। एक से डेढ़ वर्ष की गंभीर तैयारी के बाद उम्मीदवार सफल होने की आशा कर सकता है।

8. परीक्षा में समय-प्रबंधन सबसे बड़ी चुनौती बन जाता है। उसके लिये क्या किया जाना चाहिये?

इसके लिये आप प्रारंभिक परीक्षा से पहले मॉक-टेस्ट शृंखला में भाग लें और हर प्रश्नपत्र में परीक्षण करें कि किस वर्ग के प्रश्न कितने समय में हो पाते हैं। ज़्यादा समय लेने वाले प्रश्नों को पहले ही पहचान लेंगे तो परीक्षा में समय बर्बाद नहीं होगा। बार-बार अभ्यास करने से गति बढ़ाई जा सकती है।

9. क्या सभी प्रश्नों को ओ.एम.आर. शीट पर एक साथ भरना चाहिये या साथ-साथ भरते रहना चाहिये?

बेहतर होगा कि 4–5 प्रश्नों के उत्तर निकालकर उन्हें शीट पर भरते जाएँ। हर प्रश्न के साथ उसे ओ.एम.आर. शीट पर भरने में ज़्यादा समय खर्च होता है। दूसरी ओर, कभी-कभी ऐसा भी होता है कि कई उम्मीदवार अंत में एक साथ ओ.एम.आर. शीट भरना चाहते हैं पर समय की कमी के कारण उसे भर ही नहीं पाते। ऐसी दुर्घटना से बचने के लिये सही तरीका यही है कि आप 4–5 प्रश्नों के उत्तरों को एक साथ भरते चलें।

नोट: *इसी तरह के अन्य प्रश्नों के उत्तर आप हमारी वेबसाइट www.drishtiias.com से प्राप्त कर सकते हैं।*

Drishti IAS

1.5+ Million subscribers

/DrishtiVideos /DrishtiMediaVideos /DrishtiIAS

Interview Guidance by Dr. Vikas Divyakirti

This series deals with a different set of questions in each episode that can be asked to any Civil Services aspirant in her interview.

Current News

This programme, anchored by Mr. Amrit Upadhyay, includes all the important news events of the previous week which is relevant solely from a Civil Service perspective.

Mock Interview

This series offers the opportunity for Civil Service aspirants to imagine themselves in an interview setting and going through the same questions helping them in the process to gauge the level of their preparation for the actual Personality Test.

To The Point (Short Notes)

"To The Point" is a program where exam-oriented material that is brief, succinct and to the point is provided to Civil Services aspirants.

Audio Article

The information provided in this series helps a Civil Services aspirant get a better understanding of select topics without the need for any coaching.

Today's G.K.

This program offers analysis and discussion of questions sourced from everyday news that may be asked in the UPSC exam in the form of a statement or otherwise factually in any other competitive exams.

YouTube/Drishti IAS

Scan the QR Code

Think IAS दृष्टि The Vision Think Drishti

दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम
(Distance Learning Programme)

इस कार्यक्रम के अंतर्गत आप घर बैठे 'दृष्टि' द्वारा तैयार परीक्षोपयोगी पाठ्य-सामग्री मंगवा सकते हैं। यह पाठ्य-सामग्री विशेष रूप से ऐसे अभ्यर्थियों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है जो दिल्ली आकर कक्षाएँ करने में असमर्थ हैं। इस कार्यक्रम के अंतर्गत सिविल सेवा और राज्य सेवा (उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार, उत्तराखंड पी.सी.एस.) परीक्षाओं की पाठ्य-सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। यह पाठ्य-सामग्री प्रत्येक परीक्षा के नवीनतम पाठ्यक्रम के अनुरूप है और इसे विभिन्न समसामयिक घटनाओं, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं एवं समितियों की रिपोर्टों के माध्यम से अद्यतन (up-to-date) किया गया है।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा के लिये (हिंदी माध्यम में)

सामान्य अध्ययन (प्रारंभिक परीक्षा) (19 बुकलेट्स) ₹10,000/-	सामान्य अध्ययन (मुख्य परीक्षा) (26 बुकलेट्स) ₹13,000/-	इतिहास (वैकल्पिक विषय) (12 बुकलेट्स) ₹7,000/-
सामान्य अध्ययन + सीसैट (प्रारंभिक परीक्षा) (27 बुकलेट्स) ₹13,000/-	सामान्य अध्ययन (प्रा.+ मुख्य परीक्षा) (31 बुकलेट्स) ₹15,000/-	दर्शन शास्त्र (वैकल्पिक विषय) (4 बुकलेट्स) ₹6,000/-
सामान्य अध्ययन + सीसैट (प्रा.+ मुख्य परीक्षा) (39 बुकलेट्स) ₹17,500/-		हिन्दी साहित्य (वैकल्पिक विषय) (13 बुकलेट्स) ₹7,000/-

उत्तर प्रदेश पी.सी.एस. (UPPCS) के लिये
सामान्य अध्ययन + सीसैट (प्रा.+ मुख्य परीक्षा) (33 + 10 बुकलेट्स) (₹15,500/-)
सामान्य अध्ययन (प्रा.+ मुख्य परीक्षा) (33 बुकलेट्स) (₹14,000/-)

मध्य प्रदेश पी.सी.एस. (MPPCS) के लिये
सामान्य अध्ययन + सीसैट (प्रा.+ मुख्य परीक्षा) (28 + 8 बुकलेट्स) (₹11,000/-)
सामान्य अध्ययन (प्रा.+ मुख्य परीक्षा) (28 बुकलेट्स) (₹10,000/-)

राजस्थान पी.सी.एस. (RAS/RTS) के लिये
सामान्य अध्ययन (प्रा.+ मुख्य परीक्षा) (34 बुकलेट्स) ₹10,500/-

उत्तराखंड पी.सी.एस. (UKPSC) के लिये
सामान्य अध्ययन + सीसैट (प्रा.+ मुख्य परीक्षा) (28 + 8 बुकलेट्स) (₹11,000/-)
सामान्य अध्ययन (प्रा.+ मुख्य परीक्षा) (28 बुकलेट्स) (₹10,000/-)

बिहार पी.सी.एस. (BPSC) के लिये
सामान्य अध्ययन (प्रा.+ मुख्य परीक्षा) (25 बुकलेट्स) ₹10,000/-

विस्तृत जानकारी के लिये कॉल करें
8448485520, 87501-87501, 011-47532596

पिछले डेढ़ दशक से लगातार हिन्दी माध्यम का सर्वश्रेष्ठ परिणाम

दृष्टि The Vision

किरण कौशल	अजय मिश्रा	लोकेश कुमार सिंह	प्रदीप राजपुरोहित	निशांत जैन	गंगा सिंह	प्रदीप कु. द्विवेदी
3rd Rank	5th Rank	10th Rank	13th Rank	13th Rank	33rd Rank	74th Rank

हिन्दी माध्यम में अब तक का सर्वश्रेष्ठ रैंक

रवि कु. सिहाग | अदित्य कु. झा | हरी शंकर | दिलखुश मीना | जगदीश बांगरवा | जगदीश कुमार | राहुल कु. सिंह | शीतल कुमारी | कमलेश मीना | भारत मनोज फतेसिंह | मिंटू लाल मीना | सचिन कुमार

सुनील कुमार | देवेंद्र प्रकाश मीना | ब्रज मोहन मीना | अनुप मीना | चेतराम मीना | सिद्धार्थ कु. मीना | विवेक कु. दोसाद | ज्योति शर्मा | अनिरुद्ध कुमार | अरविंद प्रताप सिंह | दिनेश कुमार यादव | अजय कुमार यादव

साक्षी गर्ग | राजीव कुमार चौधरी | बबीता रानी स्वैन | आदित्य कुमार झा | सोनल | प्रदीप कुमार द्विवेदी | आशुतोष शुक्ला | लाखन सिंह यादव | विकास मीणा | अनिल कुमार यादव | विजय सिंह गुर्जर | विकास सुंडा

मुकेश कुमार लुनायत | चेतन कुमार मीणा | हेमेंद्र कुमार मीणा | अक्षय कुमार टेमरावाल | कांता जांगिड | बिक्रम गंगवार | अशोक कुमार | अनिल कुमार वर्मा | रतन दीप गुप्ता | पंकज कुमार मीणा | पवन कुमार यादव | निलेश कुमार केशरी

आशीष कुमार | मनोज कुमार रावत | हिमांशु यादव | संदीप कुमार मीणा | भूपेंद्र रावत | शिव सिंह मीना | कमलेश मीना | गौरव कुमार सिंह | कृष्णकांत पाठक | बंदना प्रेयशी | श्वेता सिंघल | श्रीमन शुक्ला

तरुण राठी | सूफिया फारुकी | राज कमल यादव | नीलिमा | उदित प्रकाश | किंजल सिंह | शचीन्द्र प्रताप सिंह | कौशलेन्द्र विक्रम सिंह | मुक्तानंद अग्रवाल | बलदेव पुरुषार्थ | नीतू कुमारी प्रसाद | नथमल डिडेल

मुकेश कुमार | ब्रह्मदेव तिवारी | दयानिधान पांडेय | मनीष कुमार | राजेश प्रधान | आर्द्रा अग्रवाल | रमेश वर्मा | अश्विनी मुदगल | नरेंद्र मीणा | मिथिलेश मिश्रा | गोविंद जयसवाल | अभिषेक सिंह

राहुल रंजन महिवाल | धनंजय सिंह भदौरिया | गिरवर दयाल सिंह | काना राम | शिल्पा गर्ग | दीपक आनंद | रूबल गुप्ता | आशीष सिंह | संगीता तेतरवाल | डॉ. विक्रांत पांडेय | कृष्णा वाजपेयी | सीमा त्रिपाठी

अजीत वसंत | वैभव श्रीवास्तव | अवनीश कुमार शरण | अशोक मीणा | नितीश कुमार | अनूप कुमार सिंह | मनोज कुमार | प्रदीप कुमार | रानू साहू | अमित कुमार | गौरव गांधी | नीलम रानी

विवेक अग्रवाल | दीपि अग्रवाल | अजय कुमार | मनिता मलिक | ब्रजेश संत | अभिषेक सिंह | पुष्पेंद्र कुमार | प्रतिभा पारिक | श्रद्धा जोशी | दीपक वर्णवाल | सुधांशुधर मिश्र | मोहित अग्रवाल